राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, बुधवार, 12 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 346 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

पेज : 2

पेज : 8

दिल्ली की महिलाओं को कब मिलेगा फ्री गैस सिलेंडर? आप ने बीजेपी से पूछा सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा की दिल्ली सरकार पर होली पर महिलाओं को मुक्त गैस सिलेंडर अभी तक न देने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व आप नेता आतिशी ने महिला नेताओं के साथ प्रेस वार्ता कर पूछा कि होली के तीन दिन शेष हैं महिलाओं को कब मिलेगा फ्री वाला गैस सिलेंडर। 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद आप विपक्ष में बैठने के बाद अब महिलाओं के मुद्दे पर लगातार दिल्ली की भाजपा सरकार को घेर रही है। आप महिलाओं को 2500 देने की योजनाओं को लेकर भाजपा सरकार पर हमलावर है ही, इसी के साथ ही होली पर घोषित मुफ्त में गैस सिलेंडर देने की योजना को लेकर भी भाजपा पर हमला बोल रही है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी की महिला नेताओं के साथ प्रेस वार्ता कर भाजपा पर हमला बोला।

सरकार और विपक्ष के बीच नोकझोंक जारी, खड़गे के 'ठोकेंगे' वाले बयान पर हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी): बजट सत्र के दूसरे चरण के तहत आज दूसरे दिन संसद की कार्यवाही हुई। लोकसभा और राज्यसभा में आज भी विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा देखने को मिला। मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित अन्य विपक्षी दलों ने राज्यसभा में भारी हंगामा किया। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने सरकार पर शैक्षणिक संस्थानों में लोगों को 'पिछले दरवाजे' से धकेलने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने मणिपुर को विधानसभा को बहाल करने की मांग की तथा प्रधानमंत्री मोदी से राज्य का दौरा करने का आग्रह किया। इसके अलावा लोकसभा में आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया गया। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में

आप्रवासन और विदेशी नागरिकों के भारत में आने से संबंधित प्रावधान वाला विधेयक पेश किया। विपक्ष के कुछ सदस्यों के विरोध के बीच गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने नियमों का हवाला देते हुए विधेयक को पेश किए जाने का विरोध किया। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने मंगलवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि देश में पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू की जाए ताकि सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कांग्रेस सांसद गोवाल पडवी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि चीन का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित मॉडल डीपसीक अरुणाचल प्रदेश को भारत

विदेशी विधेयक 2025 पेश किया गया

कांग्रेस ने मणिपुर को विधानसभा को बहाल करने की मांग की तथा प्रधानमंत्री मोदी से राज्य का दौरा करने का आग्रह किया। इसके अलावा लोकसभा में आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया गया।

का हिस्सा नहीं बताता है और ऐसे में उसे प्रतिबंधित करना चाहिए तथा इस विषय को चीन की सरकार के समक्ष उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस ने मंगलवार को मणिपुर में अशांति की स्थिति का जिक्र करते हुए सरकार पर केवल भाषणों और खबरों पर ध्यान देने तथा वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मणिपुर को सड़क और रेल संपर्क से जोड़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को दिया। लोकसभा में मंगलवार को वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच, 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों और मणिपुर के बजट पर चर्चा हुई। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद नीरज मौर्या ने मणिपुर की स्थिति को लेकर लोकसभा में केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉरीशस के आधिकारिक दौरे से वापस आते ही पूर्वोत्तर के इस प्रदेश का दौरा करना चाहिए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत उन सभी पात्र किसानों को 6,000 रुपये की वार्षिक सहायता देने को तैयार है जो अब तक इससे नहीं जुड़े हैं।

उन्होंने सभी राज्य सरकारों से ऐसे किसानों को चिह्नित करने में केंद्र की मदद करने को कहा। चौहान ने यह भी कहा कि ऐसे किसानों को पिछले समय से बकाया धनराशि भी दी जाएगी।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को लेकर आज लोकसभा में होगी चर्चा, 3 जिलों से 17 उग्रवादी भी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी): मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा को मंजूरी देने के लिए वैधानिक प्रस्ताव पर लोकसभा में मंगलवार को एक घंटे की चर्चा होगी। सोमवार को स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में लोकसभा की कार्यमंत्रणा समिति (बिजनेस एडवाइजरी कमेटी) की बैठक में यह फैसला लिया गया। लोकसभा में मंगलवार से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए मणिपुर बजट पर चर्चा होगी। बजट पर चर्चा को 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच और 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों पर बहस के साथ जोड़ दिया गया है और इसके लिए छह घंटे आवंटित किए गए हैं। 13 मार्च को नहीं होगी बैठक कार्यमंत्रणा समिति ने होली के कारण

13 मार्च को होने वाली बैठक को रद करने का भी फैसला किया है। इसने सिफारिश की है कि 13 मार्च की बैठक की भरपाई के लिए लोकसभा शनिवार (29 मार्च) को बैठे। इसने रेलवे पर चर्चा के लिए 10 घंटे और जल शक्ति, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालयों की अनुदानों की मांगों पर बहस के लिए एक-एक दिन आवंटित किया है। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में मणिपुर का 2025-26 का बजट पेश किया। इसमें 35,103.90 करोड़ रुपये खर्च का प्रविधान है, जो चालू वित्त वर्ष में 32,656.81 करोड़ रुपये था। सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा, '13 फरवरी, 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत जारी उद्घोषणा के परिणामस्वरूप, मणिपुर राज्य विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके अधिकार के तहत प्रयोग की जा सकती हैं।'कुल प्राप्तियां 35,368.19 करोड़ रुपये आंकी गई हैं, जो 2024-25 में 32,471.90 करोड़ रुपये थीं।

दस्तावेजों के अनुसार, मार्च 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत परिव्यय 19 प्रतिशत बढ़ाकर 7,773 करोड़ रुपये कर दिया गया है। मणिपुर में 17 उग्रवादी गिरफ्तार मणिपुर पुलिस ने तीन अलग-अलग जिलों से 17 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और विभिन्न संगठनों के उग्रवादियों से कार, दोपहिया वाहन और नकद राशि बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले से 13 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया

'हम सब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल', हाथ जोड़ा डीएमके सांसदों से क्या बोले शिवराज

नई दिल्ली (एजेंसी): द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और भाजपा के बीच वार-पलटवार के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा दावा किया है। शिवराज ने संसद में कहा कि मैं खुद दो बार तमिलनाडु गया हूं, एक बार कृषि विभाग के काम से और एक बार ग्रामीण विकास के काम से। अब मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन दोनों ही मौकों पर न तो ग्रामीण विकास मंत्री और न ही कृषि मंत्री मेरी बैठक में आए। मैं अनुरोध करना चाहूंगा कि केंद्र सरकार लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। तमिलनाडु से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई नाम शेष है तो हमें बताए, मैं खुद वहां चला जाउंगा।

उन्होंने कहा कि हमसब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल। उन्होंने कहा कि हम तमिलनाडु के महान लोगों को सलाम करते हैं, तमिल संस्कृति को सलाम करते हैं, तमिल भाषा को सलाम करते हैं, हम सभी भारत माता के बेटे हैं, भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। हम विनम्रता के साथ तमिलनाडु के लोगों और किसानों की सेवा करेंगे। पीएम किसान एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसका 100 प्रतिशत वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। 1 दिसंबर, 2018 से लागू इस योजना

तमिलनाडु से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई नाम शेष है तो हमें बताए, मैं खुद वहां चला जाउंगा। उन्होंने कहा कि हमसब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल।

के तहत सभी भूमिधारक किसान परिवारों को तीन समान किस्तों में 6,000 रुपये की वार्षिक आय सहायता प्रदान की जाती है। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार सहायता के लिए पात्र किसान परिवारों की पहचान करते हैं।

'उपभोक्ता संगठन के सदस्यों को समय पर मिले सैलरी और सुविधाएं', एससी ने राज्य सरकारों को दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे राज्य और जिला उपभोक्ता निवारण निकायों के अध्यक्षों और सदस्यों के वेतन और भत्ते का भुगतान मौजूदा नियमों के अनुसार तुरंत करें। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर 2020 के फैसले पर भी संशोधन करने का आदेश दिया। जस्टिस अभय एस ओका और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने केंद्र को उपभोक्ता संरक्षण (राज्य आयोग और जिला आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के वेतन, भत्ते और सेवा की शर्तें) मॉडल नियम, 2020 में संशोधन करने पर विचार करने का भी निर्देश दिया।

'वेतन और भत्ते का भुगतान किया जाएगा'

पीठ ने कहा, 'हम सभी राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि इस मामले में उठाए गए विभिन्न विवादों के प्रति पूर्वाग्रह के बिना, मौजूदा राज्य नियमों के अनुसार वेतन और भत्ते का भुगतान तुरंत किया

जाएगा।' अदालत ने कहा कि अगर भारत सरकार की ओर से संभावित संशोधन पर कोई फैसला नहीं लिया जाता है, तो वह संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत शक्ति का इस्तेमाल करने पर विचार करेगी।

5 मार्च को क्या बोला कोर्ट?

अदालत ने 5 मार्च के आदेश में कहा, 'यदि कुछ राज्य सरकारों की तरफ से इसका अनुपालन नहीं किया जाता है, तो संबंधित पक्ष विद्वान न्यायमित्र को इस आशय का एक नोट सौंपने के लिए स्वतंत्र हैं, ताकि अदालत उचित आदेश पारित कर सके। पीठ उपभोक्ता मंचों के सदस्यों के वेतन और सेवा शर्तों से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

हरियाणा में बढ़े किडनैपिंग और डकैती के मामले, सीएम सैनी ने विधानसभा में पेश किया क्राइम रिपोर्ट; हुए कई खुलासे

चंडीगढ़ (एजेंसी): सरकार ने दावा किया है कि अपराध रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस पर काम किया जा रहा है। स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सरकार ने 2019 से दिसंबर-2024 तक की क्राइम रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी। रिपोर्ट के हिसाब से पिछले साल प्रदेश में हत्या, दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में गिरावट आई है। अपहरण व डकैती के मामले बढ़े हैं। डबवाली से इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यह जवाब दिया। टास्क फोर्स पर उठे सवाल पर सीएम ने दिया जवाब आदित्य देवीलाल ने टास्क फोर्स की भूमिका पर सवाल उठाने की कोशिश की लेकिन स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने इस मुद्दे पर बोलने का मौका नहीं दिया। टास्क फोर्स पर सवाल उठे तो सीएम ने कहा कि टास्क फोर्स ने पिछले साल 1957 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें 542 इनामी मोस्ट वांटेड और 256 गैंगस्टर शामिल हैं। सीएम की ओर से सदन में रखी गई रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 2019

से दिसंबर-2024 तक हत्या के कुल 6,338 केस दर्ज हुए। इनमें से 6 हजार 36 मामलों को सुलझाने में पुलिस कामयाब रही। इन मामलों में 12,966 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 4 हजार 35 मामलों में पुलिस ने अदालतों में चार्जशीट दाखिल की। हत्या के मामले में हुई गिरावट पिछले वर्षों की तुलना में 2024 में हत्या के मामलों में गिरावट देखने को मिली है। दुष्कर्म के मामलों में भी गिरावट दर्ज की गई। 2024 में दुष्कर्म के 1388 मामले सामने आए। पांच वर्षों में दुष्कर्म के 10,262 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 9,894 मामलों को पुलिस ने सुलझाया है। 6,861 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। 5,304 मामलों में चार्जशीट दाखिल हुई है। सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में दर्ज की गई गिरावट हरियाणा में 2024 में सामूहिक दुष्कर्म के कुल 113 मामले दर्ज हुए। 2023 और इससे पहले के वर्षों के मुकाबले इनमें गिरावट दर्ज की गई। 2023 में सामूहिक दुष्कर्म के 141, 2022 में 182, 2021 में 196, 2020 में 186 तथा 2019 में 196 मामले दर्ज हुए। पांच वर्षों में सामूहिक दुष्कर्म के कुल 1 हजार 14 केस दर्ज हुए। पुलिस 971 मामलों को सुलझाने में सफल रही। सुलझाने का प्रतिशत 97.75 प्रतिशत रहा। पुलिस ने 1 हजार 75 आरोपितों को गिरफ्तार किया और 394 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई। महिलाओं के विरुद्ध अपराध घटे राहत की बता बात यह है कि महिलाओं और अनुसूचित जाति के विरुद्ध अपराध के मामलों में गिरावट देखने को मिली है। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के कुल 68 हजार 30 मामले सामने आए। अनुसूचित जाति के विरुद्ध के मामलों का आंकड़ा 7 हजार 779 रहा। पिछले साल महिलाओं के विरुद्ध अपराध के 9 हजार 488 तथा अनुसूचित जाति के विरुद्ध अपराध के 1 हजार 49 नये मामले दर्ज हुए।

जब सीएम रेहा गुप्ता से मिलने पहुंच गईं 'अम्मा', खूब दुलारा फिर थमा दिए 500 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को अपने आवास पर 'जन मिलन समारोह' आयोजित किया। जहां उन्होंने लोगों का अभिवादन किया और उनसे बातचीत की। मुख्यमंत्री से मिलने के लिए उनके आवास पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की सीएम से मिलने पर नागरिकों और समर्थकों ने उन्हें गुलदस्ते भी भेंट किए। इसी मुलाकात का एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। यह वीडियो दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घर का है। जहां पर वह रोजाना की तरह सीएम अपने निवास स्थान पर लोगों से भेंट-मुलाकात कर रहीं थीं। इसी बीच उनसे मिलने एक बुजुर्ग महिला आईं, वे सीएम रेखा को देखकर काफी खुश हो गईं। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार के साथ सीएम को कुछ भेंट दिए जो वे अपने घर से लेकर आईं थीं। इसके बाद वे बड़े प्यार से सीएम से मिलती हैं। फिर वे बड़े प्रेम से सीएम को शॉल देती हैं, फिर झोला नीचे रखने के बाद किनारे आकर गठरी से कुछ नोट निकाल कर गिनती हैं, इसके बाद सीएम के हाथ में एक 500 रुपये का नोट पकड़ाती हैं, सीएम यह देख भाव-विभार हो जाती हैं और सम्मान में हाथ जोड़ लेती हैं। इसके बाद वे सीएम को एक बेटी की तरह दुलारती और प्यार करती हैं, सीएम बुजुर्ग उस

महिला से मिलकर और उनसे इतना प्यार पाकर भावुक हो जाती हैं। उनकी आंखों में बुजुर्ग महिला के लिए प्यार और सम्मान देखा जा सकता है। महिला फिर अपना झोला लेकर मुस्कुराते हुए वहां से चली जातीं हैं। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की। इस अवसर पर

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को अपने आवास पर जन मिलन समारोह का आयोजित किया। आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से सीएम ने मुलाकात की।

पार्टी के कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से की मुलाकात रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी के आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आगामी बजट तैयार करने के लिए जनता से सुझाव मांग रही है और यह बैठक उसी अभ्यास का हिस्सा थी। मुख्यमंत्री ने वसंत विहार में भंवर सिंह कैंप का भी दौरा किया और महिलाओं से बातचीत की। 24 से 26 मार्च के बीच पेश किए जाने की उम्मीद दिल्ली बजट 2025-26 24 से 26 मार्च के बीच पेश किए जाने की उम्मीद है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने आगामी दिल्ली बजट 2025 के लिए सुझाव जुटाने के लिए व्यापारियों, व्यवसायियों और व्यापारिक संगठनों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया। राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों से आए व्यापार प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया और व्यापार समुदाय के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला।

मीडिया से बात करते हुए सीएम गुप्ता ने सत्र के दौरान उठाई गई चुनौतियों को स्वीकार किया और उन्हें हल करने के लिए सरकार की योजनाओं की रूपरेखा बताई। सीएम गुप्ता ने कहा, "विकसित दिल्ली बजट 2025-26 परामर्श श्रृंखला के हिस्से के रूप में, हमने दिल्ली भर के सभी व्यापारिक संगठनों, औद्योगिक निकायों और व्यापारिक समुदाय के लोगों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया।

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

ललित गर्ग

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है।

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। ह्यनेचर फूडङ्क पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी।

सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है।

स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।?इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और?खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर?खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउंड ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को जोड़ने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका, ?भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंडरा रहा है। प्रेषक

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भारत के लिए कितनी बड़ी चुनौती? चीन की रक्षा बजट

अमृता आर. पंडित

चीन ने अपने वार्षिक रक्षा बजट में 7.2% की वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उसका आधिकारिक सैन्य व्यय बढ़कर 245 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के दौरान सामने आया यह घटनाक्रम बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर बीजिंग के फोकस को रेखांकित करता है। पिछले वर्ष के समान प्रतिशत वृद्धि को बनाए रखने के बावजूद, विशेषज्ञों का तर्क है कि चीन का वास्तविक सैन्य खर्च घोषित की गई राशि से काफी अधिक है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, चीन का वास्तविक रक्षा बजट आधिकारिक आंकड़ों से 40-50% अधिक हो सकता है, क्योंकि वास्तविक व्यय को छिपाने के लिए अक्सर धन को विभिन्न श्रेणियों के तहत आवंटित किया जाता है। घोषित आंकड़ों के अनुसार भी, चीन का रक्षा बजट भारत के 79 बिलियन डॉलर के आवंटन से तीन गुना अधिक है और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, जिसने 2025 में सैन्य खर्च के लिए 900 बिलियन डॉलर से अधिक का बजट निर्धारित किया है। चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक में इस बढ़ोतरी की वजह बताते हुए प्रवक्ता वांग चाओ ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बजट को बढ़ाया गया है। यह आठवां साल है जब चीन में सैन्य बजट में बढ़ोतरी का ऐलान किया गया है। स्पष्ट है कि चीन भले ही बुरे आर्थिक हालातों से जूझ रहा है, लेकिन जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ली केकियांग का कहना है, सैन्य अभियान चलाने और युद्ध की तैयारियों को बढ़ाने के लिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की गई है। अमेरिका के बाद चीन डिफेंस सेक्टर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाला देश है। 2025-2026 के लिए भारत का कुल बजट $580 बिलियन (50.65 ट्रिलियन) है, जिसमें अनुमानित राजस्व $400 बिलियन (34.96 ट्रिलियन) है। हालाँकि, भारत का रक्षा आवंटन सकल घरेलू उत्पाद का 1.9% बना हुआ है, जो चीन और पाकिस्तान के खिलाफ विश्वसनीय प्रतिरोध के लिए रक्षा विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए 2.5% से काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषकों का तर्क है कि भारत को अपने रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाना चाहिए ताकि परिचालन संबंधी कमियों को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सके और अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण किया जा सके। वर्तमान में, रक्षा बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा - लगभग 75% - वेतन, पेंशन और परिचालन लागतों में चला जाता है, जिससे उन्नत सैन्य संपत्ति हासिल करने के लिए सीमित धनराशि बचती है। विगत दो वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। इसके अलावा, एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसके जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बजट में बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी। हथियारों के मामले में चीन और रूस की दोस्ती दुनियाभर के देशों समेत भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस को जिस तरह की तोपों के गोलों की जरूरत है, उसकी सप्लाई चीन आसानी से कर सकता है क्योंकि चीनी कंपनी के पास कच्चा माल भी है और उसे बनाने की क्षमता भी। रूसी लड़ाकू विमानों और मिसाइल सिस्टम्स का एक बड़ा जखीरा चीन के पास है। अगर आने वाले दिनों में हालात बिगड़ते हैं तो चीन रूस को इनकी सप्लाई कर सकता है। रूस के लिए यह काफी आसान होगा क्योंकि हथियारों में इस्तेमाल होने वाली तकनीक के मामले दोनों देश एक ही जैसे हैं। भारत और चीन के बीच हालात पहले से ही सामान्य नहीं हैं। ऐसे में चीन बड़ी समस्या बन सकता है।

बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना जरूरी है

संजय गोस्वामी

पृथ्वी के वायुमंडल के बाहर भी जीवन है ? इस बात की पड़ताल एस्ट्रोबायोलॉजी के अंतर्गत किया जाता है। एस्ट्रोबायोलॉजी के जानकार ही वायुमंडल के बाहर जीवन होने के रहस्य से पर्दा उठा सकते हैं, इसके पीछे छुपी होती है। इसी विषय पर अनुशक्ति नगर स्कूल 2में एक वार्ता का आयोजन किया गया एक विषय था *अदृश्य खगोल विज्ञान डेढ़ घंटे का एक वैज्ञानिक व्याख्यान 3 मार्च 2025 को सुबह 9:00 बजे, एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल 2, अणुशक्तिनगर, मुंबई-94 में डॉ. सुंदर सहायनाथन द्वारा एक विज्ञान वार्ता, का आयोजन किया गया उन्होंने उन्होंने बताता की ज्ञान के क्षेत्र में जनसामान्य की भागीदारी बढ़ाने और वैज्ञानिक शिक्षा में सुधार द्वारा अधिक कुशल श्रमशक्ति के विकास में मदद मिलती है।खगोल विज्ञान वैज्ञानिक शोध में वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे अर्जित ज्ञान को मौसम विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, एवं संचार व्यवस्था जैसे प्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्रों में आसानी से लागू किया जा सकता है। यह करने हेतु जिन उपकरणों की हमें आवश्यकता है वे महंगी भी नहीं है। यदि हम दूरसंवेदी डेटा से तुलना करें तो खगोल विज्ञान संबंधी डाटाबेस सस्ती भी हैं और सहज रूप से उपलब्ध भी हैं। तथापि आंकड़ों की प्रसंस्करण तकनीकें (मसलन, इमेज प्रोसेसिंग) दोनों ही मामलों में एक जैसी है। इनमें दूरबीन, स्पेक्ट्रोस्कोप इत्यादि बनाने के प्रशिक्षण से लेकर मौसम, चंद्र एवं सूर्यग्रहण इत्यादि जैसे खगोलीय अवधारणाओं की व्याख्या की जाती है। उच्च क्षमता वाली दूरबीनों की एक प्रणाली है जिससे गामा-किरणों की जाँच की जाती है। उदाहरण स्वरूप इस क्षेत्र के कुछ किसानों ने भी पर्यटकों के लिए अपने बागानों में शौकिया खगोलविदों के लिये छोटी दूरबीनों की स्थापना की है। खगोल विज्ञान का विकास और प्रसार औद्योगिक और वैज्ञानिक विकास की भी शुरूआत करता है खगोल विज्ञान संस्था द्वारा विज्ञान क्लब चलाना, शैक्षणिक सामग्री का वितरण एवं खगोल विज्ञान तथा भौतिकी के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का संयोजन करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते हैं।डॉ. सुंदर सहायनाथन 25 वर्षों से अधिक समय से बीएआरसी में के लिए काम कर रहे हैं। वे एक खगोल भौतिकीविद् और उनका काम शोध कार्य से ज्यादा सक्रिय आकाशगंगाओं पर है। उनके काम काफी हद तक सैद्धांतिक प्रकृति से सम्बंधित है। वे टीआईएफआर, आईयूसीएए, आईआईए और कश्मीर विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय और कालीकट विश्वविद्यालय जैसे कई भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ वैज्ञानिक कार्य से जुड़े रहें हैं। इन संस्थानों से 10 से अधिक पीएच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया है। इसमें उप प्रधानाचार्य श्री देश राज किशाना ने उनका स्वागत किया। तदुपरांत लेक्चर समाप्त होने पर उन्हें एक मोमेंटो देकर भी सम्मानित किया गया साथ में एक गमले में तुलसी जी का पौधा भी प्रधानाचार्य द्वारा दिया गया। फूलों का गुलदस्ता और डायरी नवीन त्रिपाठी ने अरेंज किया था इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री एन सी शर्मा (संयोजक), श्री बी एन मिश्रा, और राजकमल गौतम,स्कूल के शिक्षक सुधीर पालकर.वी पी वर्गीश, गीता मैम, संगीता काकरे आदि ने बच्चों को इस विज्ञान वार्ता को सफल बनाया बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह उन्हें दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, समस्याओं को हल करने और भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय दबदबे का मंचन

मनोज चतुर्वेदी

देश में दिवाली एक हफ्ते पहले ही आ गई। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन बनते ही देशभर में आकाश पटाखों की आवाज से गूंज गया।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अभी कुछ माह पहले आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने पर जिस तरह भावुक हो गए थे, वैसे इस सफलता पर भावुक तो नहीं हुए पर खुशी जबर्दस्त दिखी। उन्होंने अपने साथ कई सफलताओं के साथी विराट कोहली के साथ स्टंप हाथ में लेकर डांडिया खेलना शुरू कर दिया।

भारतीय टीम ने सफेद गेंद से जिस तरह से पिछले कुछ समय में प्रदर्शन किया है, वह उसके विश्व क्रिकेट पर दबदबे की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत ने जब 2023 में घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी क्षमता को प्रदर्शित नहीं कर सका था। उस समय में यह कहा जाने लगा था कि हम यह भूल गए हैं कि खिताब कैसे जीता जाता है। इसकी वजह भारत के हाथ से कई बार खिताब फिसलते देखा गया था। पर अब भारत के एक साल से भी कम समय में दो आईसीसी खिताब जीतने से लगता है कि वह अब जीतने का फामरूला पाने में सफल हो गया है।

यह फामूर्ला कितने समय तक कारगर रहता है, यह देखने वाली बात होगी। भारत के पास आईसीसी के चार खिताबों में से दो पर कब्जा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए वह इस बार क्वालिफाई नहीं कर सका है। इसकी वजह घर में न्यूजीलैंड से सीरीज में सफाया कराने और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में सीरीज हाराना रही। भारत को अब इन दोनों खिताबों पर कब्जा करने के लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि आईसीसी वनडे विश्व कप का 2027 में आयोजन होना है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अगली साइकिल भी तब तक ही खत्म होगी।

न्यूजीलैंड पिछले कुछ वर्षों में भारत के तगड़ी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरकर सामने आई है। इस फाइनल में भी जब उसने भारत के तीन विकेट फटाफट निकाल दिए थे, तो भारतीय कैंप में हड़कंप मच गया और एकदम से खामोशी छा गई। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीज 105 रन की साझेदारी बनने से मैच के एकतरफा बनने के संकेत मिल ही रहे थे कि अगले 17 रनों में तीन विकेट निकल जाने से लगा कि कहीं मैच पलटने तो नहीं जा रहा है। पर इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके भारत को खिताब तक पहुंचा दिया। असल में भारत के चार स्पिनर खिलाने के फैसले और इनमें दो अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के बल्लेबाज होने से भारत की बल्लेबाजी में बहुत गहराई आ गई थी।

इसका भारत को हमेशा फायदा मिला और शुरूआती विकेट जल्दी निकल जाने तक भी बड़ा स्कोर खड़ा करने की संभावनाएं बनी रहती थीं। यह साल ऐसा है, जिसने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जिंदगी के दोनों पक्ष दिखाए हैं। यहां एक और वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सफलता के मायने में महेंद्र सिंह धोनी से सिर्फ एक कदम ही पीछे हैं। वहीं दूसरी तरफ साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब फॉर्म की वजह से सिडनी टेस्ट में खुद को टीम से बाहर कर लिया था। यह वह समय था, जब उनकी कप्तानी के साथ कॅरियर पर सवालिया निशान लग रहे थे, लेकिन इस सफलता ने आलोचकों के मुंह पर ताला जड़ दिया है। सच में फाइनल में जिस तरह से उन्होंने 76 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत की राह बनाई, उससे क्रिकेट जगत उनका मुरीद बन गया है।

धोनी ने एक कप्तान के रूप में आईसीसी वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी-20 विश्व कप जीतकर अपने को भारतीय कप्तानों में शिखर पर पहुंचा दिया है। रोहित से अब सिर्फ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी वनडे विश्व कप ही दूर है। वह यदि 2027 तक खेल सके तो वह देश के सफलतम कप्तान बन सकते हैं। रोहित 2022 से पहले विकेट पर टिकने के बाद ताबड़तोड़ करने में विश्वास रखते थे, लेकिन अब वह पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने में विश्वास रखते हैं। उनके इस तरीके से सामने वाले अटैक की समझ में नहीं आता है कि वह करें तो क्या? फाइनल में ही ऐसा कुछ हुआ। उन्होंने 83 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों से 76 रन बनाकर भारत को एकतरफा जीत की तरफ बढ़ा दिया था। पर रचिन रविंद्र की एक गेंद पर बेवजह आगे निकलकर खेलने के प्रयास स्टंप होकर भारत को कुछ समय के लिए मुश्किल में डाला।

भारत बल्लेबाजी में गहराई की वजह से जीत गया पर रोहित ने ऐसा नहीं किया होता तो वह फाइल में शतक बनाने वाले बनने के साथ और सहजता से टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे। रोहित की इस पारी और कोहली के पाकिस्तान के खिलाफ जीत में जमाए शतक से अब इन दो दिग्गजों के संन्यास के लिए दबाव बनाने वाले आलोचकों के मुंह जरूर सिल गए हैं। इस तथ्य से सभी वाकिफ हैं कि भारत की जीत के लिए इन दोनों का चलना बेहद जरूरी है। यह सही है कि हर खिलाड़ी को एक न एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है पर जब खिलाड़ी अच्छा खेल रहा हो तो उस पर छोड़ने के लिए दबाव बनाने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता है।

दिल्लीवासियों को मिलेगी गर्मी से राहत, आज से दो दिन चलेंगी तेज हवाएं; हल्की बारिश के भी आसार

नई दिल्ली। लगातार गर्म होते मौसम के बीच अधिकतम के साथ साथ न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि होने लगी है। हालांकि अगले दो दिन तेज हवाएं भी चलेंगी। इसके बाद तीन दिन हल्की वर्षा होने का भी पूवार्नुमान है। सप्ताहांत के दौरान तापमान में कुछ कमी आ सकती है।मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि मंगलवार को सुबह के समय धुंध रह सकती है जबकि दिन में आसमान साफ रहेगा। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेंगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 17 डिग्री रहने की संभावना है। बुधवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। बृहस्पतिवार से शनिवार तक हल्की वर्षा होने का पूवार्नुमान है। इससे शनिवार और रविवार को तापमान में दो तीन डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है। दिल्ली की हवा साफ, एक्यूआई रहा 19केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक सोमवार को दिल्ली की हवा साफ रही।

एक्यूआई 197 यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। एनसीआर के शहरों में भी यह मध्यम से खराब श्रेणी में ही रहा। हाल- फिलहाल इसमें अधिक वृद्धि के कोई आसार नहीं हैं। सोमवार को साफ आसमान और तेज धूप के बीच दिल्ली में दिन का तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री ऊपर 32.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजघाट में तो यह 19.5 डिग्री तक पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 89 से 29 प्रतिशत रहा।

दिल्ली वालों के लिए गुड न्यूज, इस इलाके से होगी 24 घंटे पानी सप्लाई की शुरूआत

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के नागरिकों को 24 घंटे निर्बाध जलापूर्ति हो इसकी शुरूआत विनय मार्ग से होगी। 24 घंटे जलापूर्ति के लिए एनडीएमसी ने पहले चरण के तहत इस परियोजना को मंजूर कर काम करना शुरू कर दिया है। इसके लिए एनडीएमसी ने 1.67 करोड़ की राशि भी मंजूर कर दी गई है।एनडीएमसी ने इस संबंध में राशि भी जल बोर्ड को जमा करा दी थी, लेकिन फिर भी आप सरकार फ्लो मीटर नहीं लगा रही थी। अब सरकार बदलने के बाद फ्लो मीटर लगाने का कार्य शुरू हो गया। इससे एनडीएमसी को कितना पानी मिलता है इसकी निगरानी हो सकेगी। साथ ही हमें जलापूर्ति को निर्बाध रूप से सुचारु रखने में मदद मिलेगी।चहल ने जानकारी दी कि एनडीएमसी 24 घंटे जलापूर्ति लुटियंस दिल्ली में करने की दिशा में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विनय मार्ग से शुरूआत करने जा रहा है। जहां पर 1.67 करोड़ की राशि को मंजूर कर हम वहां 24 घंटे जलापूर्ति के इंतजाम कर सकेंगे। विनय मार्ग पर दो बड़े क्लब जिसमें पीएसओआइ और सीएसओआइ क्लब है।वहीं, सरकारी कर्मियों और अन्य रिहायशी आवास भी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हम पूरे एनडीएमसी क्षेत्र में 24 घंटे जलापूर्ति देने और अगले 25 वर्ष में हमारी क्या क्या जरुरत होगी। कहां हमें सुधार करना है। इसके लिए अध्ययन करा रहे हैं। अध्ययन के आधार पर हम जलापूर्ति व्यवस्था को ठीक करेंगे।गर्मियों में नहीं होगी पेयजल की समस्याचहल ने बताया कि इन नागरिकों गर्मियों में पेयजल की कोई समस्या न हो इसके लिए भी हमने इंतजाम कर लिए हैं। एनडीएमसी के पास 18,366 जल उपभोक्ता हैं, जिनमें 3,509 वाणिज्यिक कनेक्शन, 11,846 घरेलू कनेक्शन। जबकि 3,011 अन्य प्रकार के कनेक्शन शामिल हैं। एनडीएमसी को दिल्ली जल बोर्ड से लगभग 125 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) और ट्यूबवेल से 2.08 एमएलडी पानी प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि 15312 नए स्मार्ट पानी के मीटर स्थापित करने की योजना है। इस पर 32.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जबकि 5397 खराब पानी के मीटरों को बदला भी जाएगा। इस पर 14.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

पानी की कमी होने पर टैंकरों से आपूर्ति के लिए बढ़ाई टैंकरों की संख्याएनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि जलापूर्ति वैसे तो निर्बाध रहेगी लेकिन कोई समस्या होती है तो इसके लिए एनडीएमसी ने नागरिकों की मांग को पूरा करने के लिए आठ नए टैंकर किराए पर 12 नए सीएनजी रहित टैंकर 17 हजार किलोलीटर की क्षमता वाले खरीदने का निर्णय लिया है। 10 टैंकर हमारे पास पहले से ही 9 हजार किलोलीटर के पहले से ही है।34 झुग्गी क्लस्टरों में नल से जल की योजना पर काम शुरूएनडीएमसी इलाके में बनी 34 झुग्गी बस्तियों में नल से जल देने के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू करेगा। इसमें 9386 घरों में यह पानी की लाइन पहुंचाई जाएगी। इस पर 7.15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जहां पर नागरिकों को बिना टैंकरों पर निर्भर रहे घर पर ही पानी मिलेगा।

इसके तहत जलापूर्ति नेटवर्क को अपग्रेड करने के साथ जल वितरण प्रणाली को ऑटोमेशन से जोड़ा जाएगा। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने गर्मियों में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित को लेकर उच्चस्तीरय बैठक की। बैठक के बाद एनडीएमसी के जलापूर्ति विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

दिल्ली नहीं, यह भारतीय शहर है सबसे प्रदूषित; टॉप-20 सिटीज में कितने नंबर पर है देश की राजधानी?

नई दिल्ली। दुनिया के 20 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की एक लिस्ट जारी की गई है और इस लिस्ट में भारत के 13 शहरों के नाम शामिल हैं। 11 मार्च को एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जिसमें खुलासा हुआ है कि असम का बनीर्हाट भारत में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर है।स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी क्द्धअ१ की ओर से जारी गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में ये बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर भारत की दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। साल 2024 में भारत दुनिया का 5वां सबसे प्रदूषित देश बना है। 2023 में भारत तीसरे स्थान पर था।रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में भारत में ढट 2.5 सांद्रता में 7 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो 2023 में 54.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की तुलना में औसतन 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। इसके बावजूद दुनिया की 10 सबसे प्रदूषित शहरों में से 6 भारत के शहर हैं।भारत में वायु प्रदूषण काफी समय से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है। वायु प्रदूषण से 5.2 साल जीवन के कम हो रहे हैं। बीते साल प्रकाशित लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ अध्ययन के मुताबिक, प्रदूषण की वजह से 2009 से 2019 तक हर साल लगभग 15 लाख मौतें हुई हैं।2.5 माइक्रोन से छोटे वायु प्रदूषण कण हैं, जो फेफड़ों और रक्तप्रवाह में घुस सकते हैं। इससे सांस लेने में समस्या, हृदय रोग और कैंसर तक का खतरा भी हो सकता है। ये गाड़ी के धुएं, इंडस्ट्रियल एमिशन और लकड़ी या फसल के कचर जलाने की वजह से भी फैल सकता है।

एमबी रोड पर हादसे के बाद गिरा युवक, गड्ढे में था पानी; सांस न ले पाने से घुटा दम

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली की सड़कें गड्ढों की वजह से राहगीरों के लिए जानलेवा बनती जा रही हैं। इसके शिकार अक्सर बाइक सवार बन रहे हैं। ताजा मामला तिगड़ी थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सड़क का है। जामिया हमदर्द मोड़ के पास एमबी रोड पर पानी से भरे करीब एक फीट के गड्ढे में गिरने से सोमवार तड़के एक बाइक सवार की मौत हो गई।जामिया हमदर्द मोड़ के पास हुआ हादसामृतक के माथे पर बायीं ओर करीब चार इंच लंबा और करीब डेढ़ इंच गहरा घाव था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि गड्ढे में गिरने पर यह चोट आई होगी। वह मुंह के बल पानी में गिरा और बेहोशी की हालत में दम घुटने से उसकी मौत हो गई।मौत चोट लगने से हुई या गड्ढे में भरे पानी से, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक की शिनाख्त संगम विहार निवासी राशिद खान के रूप में हुई है।हादसे के वक्त हेलमेट पहना था या नहीं? फुफेरे भाई बुलंद अफसर के मुताबिक राशिद हमेशा हेलमेट पहनकर ही बाइक चलाते थे। मौके पर उनका हेलमेट मिला। पुलिस के मुताबिक किसी वाहन की टक्कर से दुर्घटना हुई होगी। या फिर राशिद ने हेलमेट हाथ में ले रखा होगा। गड्ढे की वजह से बैलेंस बिगड़ा और वह गड्ढे में गिर पड़े।आस-पास के सीसीटीवी फुटेज में भी अंधेरा होने की वजह से कुछ स्पष्ट नहीं दिख पा रहा है। घटनास्थल के आगे और पीछे के भी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव स्वजन को सौंप दिया। रात में ही परिवार ने जनाजे को सिपुर्द-ए-खाक कर दिया।ओवरफ्लो होकर आता है सीवर का पानी, इसलिए सड़क में गड्ढेजामिया हमदर्द रेड लाइट के पास एमबी रोड से गुरु रविदास मार्ग मोड़ है। लूप के पास सड़क के किनारे से सीवर लाइन गुजरी है। मेहरौली-बदरपुर मार्ग पर जून 2022 में गोल्डन लाइन मेट्रो का काम चल रहा है। निर्माण कार्य की वजह से सीवर लाइन जगह-जगह से चोक है। सीवर का पानी सड़क पर आने से गड्ढे बन गए हैं। जामिया हमदर्द रेड लाइट के पास भी एक फीट गहरे और करीब चार से पांच फीट चौड़े कई गड्ढे बन गए हैं। पीडब्ल्यूडी के पोर्टल से लेकर डीएमआरसी से इसकी शिकायत होती रहती है। समय-समय पर सड़कों की मरम्मत होती भी रहती है, पर निर्माण कार्य के चलते स्थिति फिर जस की तस हो जाती है। मेट्रो का काम मार्च 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। ऐसे में इस मार्ग से सफर करने वालों को फिलहाल राहत मिलने की संभावना नहीं है। सड़क पर गड्ढों के संदर्भ में पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता नईमुद्दीन का पक्ष नहीं मिल पाया है। दैनिक जागरण द्वारा भेजे एसएमएस और वाट्सएप मैसेज का उनकी ओर से जवाब भी नहीं आया।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पति-पत्नी धरे गए; बेटा नेपाल बॉर्डर से चला रहा गैंग

दक्षिणी दिल्ली। नेब सराय थाने की टीम ने अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्कर गिरोह का पदार्फाश कर एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 512 ग्राम हशीश और 1,200 ग्राम मोरोकान (मारिजुआना पाउडर) से भरा एक बैग बरामद हुआ है।महिला का पूरा परिवार अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़ा है। गिरोह का संचालन उसका बेटा करता है, जो फिलहाल बंगाल में रहता है। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि एक ड्रग्स सिंडिकेट एनसीआर में ड्रग पार्सल की डिलीवरी के लिए पोर्टर सेवाओं का उपयोग करके प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी कर रहा है। गिरोह की धरपकड़ के लिए टीम गठित की। टीम ने नौ मार्च की रात इग्नू रोड, नेब सराय में जाल बिछाया। टीम ने एक महिला को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास मिले एक बैग में 512 ग्राम हशीश और 1,200 ग्राम मोरोकोन।लर।एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। महिला ने बताया कि तस्करी मामले में मालवीय नगर थाने की टीम ने कुछ समय पहले ही उसके पति को पकड़ा था।पॉश इलाकों में करते थे ड्रग की सप्लाईवह हाल ही में गिरोह से जुड़ी, जिसे उसका बेटा संभालता है। बेटा वर्तमान में नेपाल सीमा के पास जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल के बीरपारा में रहता है। वह नेपाल से ट्रेन के जरिये गांजा और हशीश खरीदकर दिल्ली भेजता था।वह दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के पॉश इलाकों में 10-10 ग्राम के पैक में इसकी सप्लाई करती थी। उसका बेटा ग्राहकों के लोकेशन को वाट्सएप के जरिये पोर्टर के साथ साझा करता था और ऑनलाइन पेमेंट लेता था। पुलिस इस पूरे ड्रग तस्करी गिरोह की चेन तोड़ने के लिए जांच कर रही है।

आनंद विहार में झुग्गी में लगी भीषण आग, 3 लोगों की जिंदा जलकर मौत

पूर्वी दिल्ली। आनंद विहार इलाके में मंगलम रोड पर स्थित झुग्गी में सोमवार देर रात आग लग गई। आग लगने से तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। ये लोग आइजीएल कंपनी के लिए ठेके पर काम करते थे। जानकारी के मुताबिक, आइजीएल पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है इसलिए ये लोग अस्थायी टेंट में रह रहे थे। सूचना पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। श्याम सिंह और कांता प्रसाद दोनों सगे भाई हैं। वह औरैया के गांव नवादा के रहने वाले थे।सीएम ने हादसे पर जताया दुखआग में जलकर तीन लोगों की मौत मामले को लेकर सीएम रेखा गुप्ता मौके पर पहुंचीं और हादसे पर दुख जाहिर किया। हादसे में मरने वालों के स्वजन को 10-10 लाख रुपये सहायता राशि दी जाएगी। दरवाजे पर चेन बांधकर लगा रखा था तालायह झुग्गी डीडीए की जमीन पर अवैध रूप से बनी हुई थी। झुग्गी लकड़ी के प्लाईबोर्ड से बनाई गई थी। झुग्गी में रसोई समेत अन्य सामान था। रात को झुग्गी में रहने वाले लोग दरवाजे पर चेन बांधकर उसमें ताला लगाकर रखते थे। यहां लाइट नहीं है। इसलिए रात को डिबिया जलाते थे।आनंद विहार थाना पुलिस को घटना की जानकारी पीसीआर कॉल के जरिये रात 2:42 बजे (11मार्च) मिली। आईजीएल कंपनी के चार अस्थायी मजदूर नाला के पास डीडीए प्लॉट और रोटरी क्लब कार्यालय के बगल में अस्थायी टेंट में रहते थे। रात के वक्त मजदूर टेंट में सो रहे थे। वे टेंट में जलाने के लिए कूलर स्टैंड पर डीजल की डिबिया रखते थे और टेंट के गेट पर ताला लगाते थे।आग में एक गैस सिलेंडर भी फट गया। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। फायर ब्रिगेड, क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया गया

केएल राहुल ने ठुकराई दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी, अब इस खिलाड़ी का डीसी का कप्तान बनना तय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन की शुरूआत में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। 10 टीमों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स को छोड़कर सभी ने अपने कप्तानों के नाम का भी एलान कर दिया है। केएल राहुल को दिल्ली के अगले कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन इस खिलाड़ी ने कप्तानी करने से इनकार कर दिया है। दिल्ली की कप्तानी अब तक ऋषभ पंत के हाथों में थी। लेकिन इस बार दिल्ली काफी कोशिशों के बाद भी उन्हें रिटेन नहीं कर पाई। पंत को फिर लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीदा जिसके कप्तान अब तक राहुल थे। यानी एक तरह से पंत और राहुल की दिल्ली और लखनऊ में अदला-बदली हो गई। राहुल को कप्तानी का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह अब ये जिम्मेदारी निभाते नहीं दिखेंगे।यह भी पढ़ें- 'मुझे नहीं मिली इज्जत', के बाद छलका का दर्द, भावुक हो गया बल्लेबाजराहुल नहीं अब ये खिलाड़ी होगा कप्तानराहुल के कप्तानी ठुकराने के बाद सवाल ये है कि अब दिल्ली की कप्तानी किसके हिस्से आएगी? इस रेस में अक्षर पटेल का नाम सबसे आगे है या यूं कहें तय है। समाचार एजेंसी आईएएनएस ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा, "हां, अक्षर पटेल आईपीएल-2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स के अगले कप्तान हो सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने केएल राहुल से कप्तान बनने के बारे में पूछा था, लेकिन उन्होंने एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में योगदान देने की बात कही है।"अक्षर पटेल साल 2019 से दिल्ली के साथ हैं। उन्हें दिल्ली ने 18 करोड़ की कीमत देकर खरीदा था। उन्होंने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाया था। अक्षर ने बैट और गेंद दोनों से टीम की सफलता में अहम योगदान दिया था। वह इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में भारत के उप-कप्तान भी थे।पहले खिताब का इंतजारदिल्ली को अपने पहले खिताब का इंतजार है। इस टीम ने अभी तक सिर्फ एक ही बार फाइनल खेला है, लेकिन उसमें भी जीत हासिल नहीं कर सकी। साल 2020 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में दिल्ली ने आईपीएल का फाइनल खेला था,

लेकिन मुंबई इंडियंस से हार गई थी। दिल्ली ने इस सीजन काफी कुछ बदला है। उसने अपने पूरे कोचिंग स्टाफ को ही बदल दिया। रिकी पोंटिंग को हटा हेमंग बदानी को टीम का कोच बनाया गया है।मुनाफ पटेल को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज वेणुगोपाल राव को आईपीएल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट बनाया गया है। इंग्लैंड के केविन पीटरसन को टीम में मेंटर बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू मॉट टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

अटक सकता है शाह रुख खान के 'मन्नत' का रेनोवेशन! गड़बड़ी को लेकर ने मांगे सुबूत

नई दिल्ली। अभिनेता शाह रुख खान के बांद्रा स्थित घर (मन्नत) के रेनोवेशन में हुए नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाले आवेदनकर्ता को इससे संबंधित सुबूत पेश करने का नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने आदेश दिया है।आवेदन करने वाले एक्टिविस्ट ने मन्नत में दो और मंजिल जोड़ने की योजना के लिए दी गई तटीय विनियमन क्षेत्र ी उफे) द्वारा मंजूरी की वैधता को चुनौती दी है। यह बंगला कोस्टल रेगुलेशन जोन में स्थित है।साथ ही स्पष्ट किया कि अगर वह सुबूत नहीं पेश करते तो उनकी याचिका खारिज की जाएगी। एनजीटी ने कहा कि 'यदि परियोजना प्रस्तावक या एमसीजेडएमए द्वारा प्रक्रिया का कोई उल्लंघन किया गया है, तो याचिकाकर्ता इससे जुड़े सुबूत चार हफ्ते के अंदर पेश करें।' एनजीटी ने आगे कहा, अगर याचिकाकर्ता ऐसा करने में विफल रहता है तो हमारे पास एनजीटी के आदेश का पालन न करने के लिए इस याचिका को प्रवेश के चरण में ही खारिज करने के अलावा को विकल्प नहीं बचेगा।23 अप्रैल तक का दिया याचिकाकर्ता को समयएनजीटी की पश्चिमी पीठ ने यह आदेश आवेदनकर्ता संतोष दौंडकर की याचिका पर दिया।

आग लगने से तीन लोगों की मौत के बाद एक्शन में दिल्ली पुलिस, मामले में पहली एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में एजीसीआर एन्क्लेव के पास एक अस्थायी टेंट में लगी भीषण आग में दो भाई-बहनों समेत तीन लोगों की जलकर मौत के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, "हमने आनंद विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) (लापरवाही से मौत) के तहत एफआईआर दर्ज की है। घटना की जांच के लिए कई टीमें बनाई गई हैं।" दिल्ली अग्निशमन सेवा को मंगलवार सुबह 2:22 बजे एक संकट कॉल मिली और उसने तीन दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग पर सुबह 2:50 बजे तक काबू पा लिया गया। सुबह 3:10 बजे स्टेशन अधिकारी फिरोज ने पुष्टि की कि टेंट के अंदर से तीन जले हुए शव बरामद किए गए। दम घुटने से तीनों की मौत पुलिस ने एक बयान में बताया कि उनकी पहचान जग्गी (30) और भाई-बहन श्याम सिंह (40) और कांता प्रसाद (37) के रूप में हुई है। ये सभी उत्तर प्रदेश के औरैया के रहने वाले थे और यहां मजदूरी का काम करते थे। साथ ही, आग लगने के कारण दम घुटने से तीनों की मौत हो गई। बयान में कहा गया है कि मृतक और एक अन्य मजदूर, जो इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) में काम करते थे, मंगलम रोड पर डीडीए प्लॉट के पास स्थित अस्थायी टेंट में रहते थे। बयान में कहा गया है, "उन्होंने कथित तौर पर टेंट को जलाने के लिए कूलर स्टैंड पर रखे डीजल के एक छोटे कंटेनर का इस्तेमाल किया।" उन्होंने कहा, "बचे हुए नितिन ने बताया कि रात करीब 2 बजे श्याम सिंह की नींद खुली और उसने आग देखी। उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। आग तेज होने पर नितिन भागने में सफल रहा, लेकिन बाकी तीन लोग आग की लपटों में फंस गए।" इमपाल और नितिन के बयान दर्ज टेंट के अंदर एक गैस सिलेंडर भी फट गया, जिससे आग और भड़क गई। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि श्याम और कांता के पिता रामपाल ने सवाल उठाया है कि एक व्यक्ति आग से कैसे बच गया, जबकि तीन अन्य जलकर मर गए। सूत्र ने बताया, "रामपाल भी उसी अस्थायी तंबू में रहता था, लेकिन रात के खाने के बाद वह बाहर चला गया था। पुलिस ने रामपाल और नितिन के बयान दर्ज कर लिए हैं।" बयान में कहा गया है कि अधिकारियों को संदेह है कि डीजल कंटेनर की वजह से आग लगी होगी, लेकिन आग लगने के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

एडमिशन के लिए कोई पैसे मांगे तो सीधे शिक्षा मंत्री से करें शिकायत, तुरंत मिलेगी मदद

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटे के दाखिलों में अगर कोई अनियमितता पाई जाती है तो अभिभावक सीधे उनके पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सूद ने कहा, "अगर अभिभावकों को सत्यापन प्रक्रिया के दौरान किसी भी तरह की अनियमितता या पारदर्शिता की कमी का सामना करना पड़ता है, तो वे सीधे मुझसे शिकायत दर्ज करा सकते हैं या अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए मेरे कार्यालय आ सकते हैं।" आधिकारिक बयान के अनुसार, ईडब्ल्यूएस दाखिलों के लिए दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया अभी चल रही है। अब तक, पांच मार्च को आयोजित ड्रा के माध्यम से चुने गए छात्रों के 6,192 दस्तावेजों का सत्यापन किया जा चुका है। इसमें कहा गया है कि यह प्रक्रिया निर्धारित सत्यापन केंद्रों पर की जा रही है।

सूद ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में शिक्षा विभाग प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मिशन-संचालित तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दो लाख से अधिक आवेदनों में से ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत नर्सरी, केजी और कक्षा एक में दाखिले के लिए कुल 44,045 बच्चों के नाम कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से निकाले गए। निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए टोकन हुए जारी बयान में बताया गया है कि इन छात्रों के लिए छह मार्च से शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत 29 क्षेत्रों में दस्तावेज सत्यापन चल रहा है। पिछले चार दिनों में छह से 10 मार्च तक - 7,042 बच्चों के माता-पिता निर्दिष्ट सत्यापन केंद्रों पर गए हैं। इनमें से 4,878 बच्चों को दिल्ली के निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए टोकन जारी किए गए हैं और 1,291 अभिभावकों को अधूरे दस्तावेजों के कारण नोटिस मिले हैं। बयान में कहा गया है कि लॉटरी में नाम चुने जाने के बावजूद, पिछले चार दिनों में चार बच्चों के आवेदन उनके आवश्यक दस्तावेजों में विसंगतियों के कारण खारिज कर दिए गए। बयान में आगे की जानकारी देते हुए कहा गया है कि सात मार्च को कुल 2,431 अभिभावकों ने निर्दिष्ट केंद्रों का दौरा किया, जिसमें 2,108 बच्चों के दस्तावेजों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। इसके बाद 1,698 बच्चों को प्रवेश टोकन जारी किए गए, जबकि 410 अभिभावकों

को अपने दस्तावेज पूरे करने के लिए कहा गया। आठ मार्च को तीन जोन-सात, 14 और 22 में दस्तावेज सत्यापन हुआ, जहां 64 छात्रों ने सत्यापन कराया। सभी 64 छात्रों के दस्तावेजों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 43 प्रवेश टोकन जारी किए गए, जबकि 21 छात्रों को अपने कागजी काम पूरे करने के लिए कहा गया।

इसी तरह, 10 मार्च को 29 जोन में 3,354 अभिभावकों ने सत्यापन केंद्रों का दौरा किया। इनमें से 2,924 बच्चों के दस्तावेज का सत्यापन किया गया और 2,303 बच्चों को प्रवेश टोकन जारी किए गए। अधूरे दस्तावेज के कारण 600 अभिभावकों को नोटिस दिए गए, जबकि विसंगतियों के कारण दो आवेदन खारिज कर दिए गए।

लखनऊ में मीट के लिए BJP विधायक से बदसलूकी

लखनऊ। में BJP विधायक ओपी श्रीवास्तव से मीट दुकानदार ने बदसलूकी की है। उसने विधायक पर आरोप लगाया कि वह दुकान चलाने के लिए 10 लाख रुपए मांग रहे हैं। इस दौरान उसे MLA ने पाकिस्तानी कहा। दरअसल, विधायक ने दुकानदार और कुछ लोगों को बातचीत के लिए अपने आवास पर बुलाया था।उसी दौरान बातचीत करते समय दो पक्षों में झड़प होने लगी। इंदिरानगर के सेक्टर-12 में लोग मीट और शराब दुकान की वजह से परेशान हैं। महिलाओं ने उस रास्ते से निकलना बंद कर दिया है। इलाके के लोगों ने विधायक ओपी श्रीवास्तव से दुकानदार की शिकायत की थी। बातचीत के दौरान बिगड़ा माहौल विधायक के आवास पर दुकानदार और दुकान से परेशान लोग पहुंचे। वहां बातचीत के दौरान माहौल बिगड़ गया। दोनों पक्षों में तीखी झड़प हुई। मामला इतना बढ़ा कि थाने की फोर्स बुलानी पड़ी। दोनों पक्षों ने थाने में तहरीर दी है। हालांकि अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। शिव विहार आवासीय कल्याण समिति के लोगों ने बताया- बेगम मार्केट में

गिन्नी जनरल स्टोर से सटी पहले एक मीट शॉप थी। धीरे-धीरे दुकानें बढ़ गईं। आने वाले समय में यह एरिया मंडी हो जाएगा।मुर्गे और बकरे काटे जाने से रहवासियों को काफी समस्या होती है। दुकान की धुलाई करते हैं तो खून और गंदगी मेन रोड पर आती है। इस वजह से बीमारी फैल रही। मुख्य मार्केट में कच्ची शराब की दुकान है। इसलिए दिन रात शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। महिलाओं को निकलने में दिक्कत होती है। इलाके में मां विंध्यवासिनी ट्रेडर्स ने अपना सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल का गोदाम बनाया है। लोडिंग-अनलोडिंग की वजह से दिनभर ट्रैक्टर ट्रॉली चलती है। रहवासियों का कहना है कि इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए नगर निगम से शिकायत की गई लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि मोहल्ले के लोगों का कहना है कि अब क्षेत्रीय विधायक ने संज्ञान लिया है तो समाधान हो जाएगा।
विधायक आवास पर गरमाया माहौल लोगों की समस्याओं को सुनकर विधायक ओपी श्रीवास्तव ने सभी मीट दुकानदार और अन्य लोगों को आवास पर बुलाया। यहां बातचीत चल रही थी। तभी किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इस पर विधायक ओपी श्रीवास्तव और उनके समर्थक उग्र हो गए। हालांकि दोनों पक्षों ने एक दूसरे की बात सुनना जारी रखा। लेकिन बात न बनने पर पुलिस को बुलाना पड़ा।

मांगों को पूरा नहीं किया गया तो, सरकार को भुगतना पड़ेगा गंभीर परिणाम :राष्ट्रीय संघर्ष समिति

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति जनपद कुशीनगर शाखा की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद के नेतृत्व में रोडवेज बस स्टैंशन कसया के यात्री प्रतीक्षा हॉल में सम्पन्न की गई ' बैठक में मुख्य रूप से निगम के ईपीएस पेंशनरों ने भाग लिया। बैठक को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने न्यूनतम पेंशन रुपए 7500+ सहित चार सूत्री मांगों का सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद अभी तक लटकाए रखने को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि वर्तमान बजट सत्र में मांगों को पूरा नहीं किया गया तो केंद्र सरकार को इसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।
बैठक को छेदी प्रसाद, राम विलास यादव, शफीक अहमद, राम प्रवेश यादव, महिमा राय, चंद्रशेखर पाठक, हनुमान सहाय, गोपाल प्रसाद ने संबोधित किया। इस दौरान कॉफी संख्या में निगम कर्मी एवं ईपीएस पेंशनर उपस्थित रहे '

हमीरपुर की सिसोलर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार-

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत सिसोलर पुलिस ने मु0अ0सं018/25 धारा 115(2)/352/351(3)/333 बीएन एस के फरार अभियुक्त भूरा यादव उर्फ भूपेन्द्र यादव पुत्र वीरेन्द्र यादव निवासी ग्राम भमई हमीरपुर को टेम्पो स्टेड भमई से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया,
अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली

पुलिस टीम में खासतौर से ओमप्रकाश यादव सहित कांस्टेबल पिकेन्द्र शामिल रहे।

फारूवाही लोक नृत्य उत्सव 16 मार्च को

लुप्त प्राय लोकगीत और कलाओं के संवर्द्धन और संरक्षण को लेकर चर्चा की

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
नगर स्थित दुलारी देवी सेवा संस्थान की एक बैठक संस्था कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें लुप्त प्राय लोकगीत और कलाओं के संवर्द्धन और संरक्षण की चर्चा हुई तथा 16 मार्च दिन रविवार को समय 11 बजे से कुशीनगर बौद्ध संग्रहालय में आयोजित फारूवाही लोक नृत्य उत्सव का निर्णय लिया गया।
मंगलवार को हुई बैठक में संस्था संयोजक अरुण कुमार राव ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो अमृतांशु शुक्ल, प्रो सीमा त्रिपाठी, डाक्टर रवि शंकर राव, डाक्टर संजीव कुमार श्रीवास्तव सदस्य उत्तर प्रदेश ललित कला अकादमी, सुरेश प्रसाद गुप्त, प्रद्युम्न मिश्र, अरूण कुमार राव सदस्य बाल कल्याण समिति गोरखपुर उपस्थित रहेंगे। इस दौरान अमित कुमार मिश्रा, राजू मद्धेशिया, अशोक कुमार जैन सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय ने किया किड्स जी प्ले स्कूल का शुभारंभ

संवाददाता
कुशीनगर। कसया सपहा मार्ग स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के पीछे स्थित किड्स जी प्ले स्कूल का मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय ने फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के शिक्षा के लिए यह नई पहल है। उन्होंने इसको सराहा उन्होंने कहा कि किड्स जी प्ले स्कूल बच्चों के शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास पर विशेष महत्व देते हैं। किड्स जी के निदेशक पुनित पांडेय अमित जायसवाल ने विद्यालय परिसर की विशेषता बताते हुए कहा कि

प्ले स्कूल में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में डाली गई मजबूत नींव बच्चों का सुनहरा भविष्य तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए किड्स जी तत्पर है। अब प्ले स्कूल में शिक्षा के लिए अभिभावकों को दूर नहीं जाना होगा। शुभारंभ के बाद मुख्य अतिथि ने बच्चों को गिफ्ट दिए गए। इस मौके पर स्कूल निदेशक पुनित पांडेय व अमित जायसवाल ने अतिथियों को अंग वस्त्र और मेमौनटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक पाण्डेय, भाजपा नेता ओमप्रकाश जयसवाल, संजय शुक्ला, कृष्ण कुमार जायसवाल, रंजीत जयसवाल, अभिषेक पांडेय उर्फ मोनू पांडेय, शक्ति राव, सतीश मणि त्रिपाठी, मनोज कुमार, पुष्कर दूबे रबिंद्र तिवारी अमित पांडेय, प्रदीप सिंह, राहुल शाह, अंकित चौधरी, शिक्षिका सिमर प्रीत कौर, रूबी पांडेय मौजूद रहे।

बीआरसी परिसर में 65 टीबी रोगियों में वितरित हुई पोषण की पोटली

संवाददाता
कुशीनगर। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाये जा रहे 100 दिवसीय टीबी खोज अभियान में मिले मरीजों को गोद लेकर पोषण की पोटली देने के लिये सीडीओ गुंजन द्विवेदी के निर्देशन तथा बीएसए डॉ रामजियावन मौर्या के प्रेरणा के क्रम में मंगलवार को विकास खण्ड विशुनपुरा के बीआरसी परिसर में 65 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। मुख्य अतिथि जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एस.एन.त्रिपाठी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के जनांदोलन जरूरी है।

जन जन को इस अभियान को सफल बनाने के लिये जागरूक करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग गोद लेने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप सम्बोधित करते हुये निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र ने कहा कि इस पुनीत कार्य में जो भी व्यक्ति अपनी भूमिका निभा रहा है मैं उसके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि आप द्वारा दिये गये प्रोटीनयुक्त आहार को दवा के साथ मरीज खाकर शीघ्र स्वस्थ होकर समाज की मुख्य धारा से जुड़ जाता है।अध्यक्षता कर रहे खण्ड शिक्षा अधिकारी जयंत कुमार भारती ने कहा कि मरीजों को पोषण उपलब्ध कराने में हमारा विभाग अग्रणी भूमिका में रहेगा। उन्होंने कहा कि आज जो भी व्यक्ति लोग लिया उसके द्वारा रोगियों के उपचार चलने तक प्रतिमाह पोषण की पोटली दी जायेगी। कार्यक्रम को वरिष्ठ क्षयरोग पर्यवेक्षक विशाल जयसवाल एवं अमित वर्मा ने भी सम्बोधित किया। संचालन शिक्षक सुजीत पांडेय ने किया।आगन्तुकों का स्वागत शिक्षक अवधेश कुमार तथा आभार संजय मिश्र ने व्यक्त किया।
इस दौरान प्रमोद यादव, रेडियो प्रज्ञा से तेजनारायण श्रीवास्तव, नवनीत सहित शिक्षक गण उपस्थित रहे।

देश की महिलाएं चांद को भी छू रही हैं: डायरेक्टर प्रीति शर्मा

संवाददाता
कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस देश विदेश में को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, ये दिन महिलाओं के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक योगदान को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर का होता है। ये दिन महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, समानता और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता फैलाने का माध्यम बनता है। दुनिया भर में इस दिन को महिला सशक्तिकरण और उनके संघर्षों की सराहना के रूप में मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के योगदान को मान्यता देने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष को बढ़ावा देने का होता है।
इसी बीच उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की रहने वाली इंटरनेशनल सुपर मॉडल एक्टर और दीप्ति फिल्म प्रोडक्शन्स की डायरेक्टर प्रीति शर्मा ने भी अपनी शोशल मीडिया के जरिए देश विदेश की महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी। मॉडल एंड एक्टर प्रीति शर्मा ने कहा हमारे देश की

महिलाएं चांद को भी छू रही है और पुरसो के कदम से कदम मिला कर आगे भी बढ़ रही है। राजनीति से लेकर देश विदेश में अपना और अपने परिवार देश का नाम भी रोशन कर रही है। मॉडल/एक्टर प्रीति शर्मा ने कहा कि जहां एक तरफ महिलाएं सशक्त बन रही है वही कुछ हैवान दरिंदे किस्म के लोग जो हमारे ही आसपास रहते है हमे कमजोर करने और आगे बढ़ने से रोकने का काम करते है ऐसे लोगो के लिए हमारीं देश की महिलाओं और बेटियों को और मजबूत सशक्त होने की जरूरत है जब हमारीं देश की महिलाएं और बेटियां पूरी तरह से सशक्त और मजबूत हो जाएंगी और ऐसे दरिंदो को सबक सिखाने का काम करेंगी तो इस देश मे पूरी तरह महिलाओं को सशक्त और मजबूत होने से कोई नही रोक सकता इसी लिए में सभी देश की महिलाओं और बेटियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई देते हुए ये भी अपील करती हूँ कि हमे अभी भी इस देश में और सशक्त और मजबूत होने की जरूरत है तभी हम ऐसे दरिंदो को सबक सिखा सकेंगे जो हमारीं बेटियों और महिलाओं पर गलत नजर डालते है और उनको कमजोर करते है।

मोदी और योगी सरकार ने कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न देकर किया सम्मान: मनीष जायसवाल

संवाददाता
कुशीनगर।
पडरौना से हरका जाने वाले मार्ग पर स्थित मोदनवाल होटल, रामपुर के हाल में मंगलवार को आयोजित होली मिलन समारोह में विधायक पडरौना मनीष जायसवाल मंटू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न देकर नाई समाज का सम्मान किया है।
विधायक श्री जायसवाल ने कहा कि स्व. कपूर्री ठाकुर सामाजिक न्याय के

मसीहा थे। उन्होंने समाज के शोषितों, दलितों, पिछड़ों और कमजोर तबके के लोगों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्हें याद कर गर्व की अनुभूति होती है। विधायक श्री जायसवाल ने स्व. कपूर्री ठाकुर की आदमकद प्रतिमा नगर में लगाए जाने का आश्वासन देते हुए कहा कि आप

उनके नाम पर धर्मशाला की स्थापना करें। हर सम्भव सहयोग किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि लक्ष्मण ठाकुर, प्रतिष्ठित व्यवसाई रमेश शर्मा, समाजसेवी सुरेन्द्र शर्मा ने सामाजिक एकजुटता पर बल देते हुए आयोजक भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री सुशील कुमार शर्मा के हाथों को मजबूत करने आह्वान किया। अतिथियों का स्वागत आयोजक सुशील कुमार शर्मा ने करते हुए कहा कि सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक भागीदारी के लिए युवाओं को आगे आकर संघर्ष करना पड़ेगा। संचालन दिनेश शर्मा ने किया। इस दौरान भाजपा नेत्री वंदना ठाकुर, पप्पू ठाकुर, मिथिलेश शर्मा, मोनू शर्मा, आर्यन कुमार शर्मा, अमरनाथ शर्मा, अभिषेक शर्मा, संतोष शर्मा, संदीप शर्मा, श्रीराम ठाकुर, छोटू शर्मा, कृष्ण, सुनील शर्मा, अमन शर्मा, राहुल ठाकुर, अमित आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की राठ पुलिस ने अवैध असलहे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की राठ पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत एक अदद तमंचा 315 बोर, जबकि एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ थाना क्षेत्र के ग्राम पडरा निवासी 33 वर्षीय अरविन्द पुत्र मुरलीधर को यात्री प्रतीक्षालय मोर्चरी हाउस के पास, पनवाडी रोड कस्बा राठ हमीरपुर से गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की। राठ पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 103/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज करने के साथ ही अदालत भेजा गया । अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, अभियुक्त के खिलाफ दस संगीन मामले पहले ही से दर्ज हैं। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई रोहित साहू, कांस्टेबल अनिल राजपूत सहित कांस्टेबल अभिषेक राजपूत शामिल रहे।

गेहूं काटकर लौट रहे युवक पर तमंचे से फायर

औरैया। के अजीतमल थाना क्षेत्र में आठ साल पुराने जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश संजय कुमार सिंह ने आरोपी आमोद सिंह को 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 5 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। मामला 11 अप्रैल 2017 का है। सोनू सिंह अपने बड़े भाई के साथ गेहूं काटकर घर लौट रहा था। सुबह 11 बजे गांव के आमोद सिंह ने सोनू पर तमंचे से फायर कर दिया। गोली सोनू की जांघ में लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने दाखिल की थी चार्जशीट पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की। मंगलवार को अपर सत्र न्यायालय में सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद कुमार राजपूत ने कड़ी सजा की मांग की। बचाव पक्ष ने रहम की गुहार लगाई। 1 माह का होगा अतिरिक्त कारावास कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आमोद सिंह को दोषी करार दिया। अर्थदंड न चुकाने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जेल में बिताई गई अवधि को सजा में शामिल किया जाएगा। दोषी को जिला कारागार इटावा भेज दिया गया है।

अजीतमल के सांफर में आरोग्य शिविर

औरैया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल की ओर से मंगलवार को न्याय पंचायत सांफर में निशुल्क आरोग्य शिविर लगाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में कुल 736 लोगों का पंजीकरण हुआ। इनमें 45 टीबी के मरीज और 12 कुष्ठ रोगी मिले।330 मरीजों की जांच अन्य सेवाओं में परिवार नियोजन के 37, नेत्र परीक्षण के 31 और आयुष्मान कार्ड के 18 मामले शामिल रहे। सामान्य ओपीडी में 216, आयुष ओपीडी में 88 और आरबीएसके ओपीडी में 330 मरीजों की जांच की गई। डॉ. अवनीश ने स्वस्थ रहने के टिप्स दिए।उन्होंने कहा कि हड्डियों की मजबूती के लिए नियमित धूप स्नान और रात में सोने से पहले दूध का सेवन जरूरी है। महिला चिकित्सकों ने महिलाओं और किशोरियों को संतुलित आहार की सलाह दी। उन्होंने हरी साग-सब्जियां, ताजे फल और गुड़ के सेवन पर जोर दिया। शिविर में पैथोलॉजी के 52, टीकाकरण के 10, आंगनबाड़ी के 108, एनसीडी ओपीडी के 108, विशेषज्ञ ओपीडी के 22 और दंत परीक्षण के 20 मामले देखे गए। साथ ही 36 आभा आईडी का रजिस्ट्रेशन भी किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों के प्रधान, स्थानीय लोग और चिकित्सकों की टीम मौजूद रही।

अजीतमल में प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव

औरैया। । स्थित प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि आरआरपी अनुराग शर्मा, प्रदीप कुमार और अमर सिंह ने सरस्वती पूजन से की।विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।कला दिखाने का मंच इसमें स्वच्छता अभियान और होली पर आधारित नाटक शामिल थे। एआरपी ने अभिभावकों को सरकार की विद्यालय कायाकल्प योजना और नामांकन बढ़ाने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि अनुराग शर्मा ने कहा कि स्कूलों में ऐसे आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए। इससे बच्चों की छुपी प्रतिभाएं सामने आती हैं और उन्हें अपनी कला दिखाने का मंच मिलता है।कार्यक्रम में एआरपी अमित पोरवाल, प्रशांत शुक्ला, प्रधानाध्यापिका कल्पना राजपूत, शिक्षा मित्र कांति और राजकुमारी, प्रधान राकेश कुमार और मीना सेंगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन हेड मास्टर रचना सैनी ने किया। प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

नशे में वाहन चलाने से बचें, महिलाएं चाबी खुद रखें

औरैया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने होली त्योहार को लेकर महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि होली के दिन कई लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं। इससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। एसपी ने विशेष रूप से महिलाओं को सलाह दी है कि वे वाहनों की चाबियां अपने पास रखें। उन्होंने परिवारों से आग्रह किया कि होली के दिन बिना जरूरी काम के वाहन लेकर न निकलें। सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने कहा कि यदि कोई असामाजिक तत्व होली की आड़ में माहौल बिगाड़ने का प्रयास करे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

मॉरिशस पीएम के पैतृक गांव भोजपुर में जश्न का माहौल

दो दिवसीय दौरे पर हैं PM मोदी, परिजन बोलें- हरिगांव आने का न्योता दें नरेंद्र मोदी

आरा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मॉरीशस पहुंचे हैं। मॉरीशस के 57वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश ने पीएम मोदी को गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमंत्रित किया है। मॉरीशस के ढट डॉ. नवीन चंद्र राम गुलाम ने प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण स्वीकार करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे देश के लिए एक सौभाग्य की बात है। वहीं इस मौके पर भोजपुर में भी खुशी मनाई गई है। PM डॉ. नवीन चंद्र राम गुलाम के पैतृक गांव भोजपुर के हरिगांव में PM नवीन चंद्र राम गुलाम और उनके दादा मोहित राम गुलाम की तस्वीर पर अबीर गुलाल

लगाकर खुशी जाहिर की गई है। वहीं सर शिवसागर राम गुलाम की चौथी पीढ़ी यानी हरिशंकर महतो के बेटे संतोष कुमार ने कहा कि अब इससे बड़ी खुशी की क्या होगी। जब एक देश के प्रधानमंत्री उस देश में जा रहे है, जिसे एक छोटा भारत कहा जाता है। उस देश के प्रधानमंत्री का इस हरिगांव से खून का रिश्ता है। इस गांव के लिए और भोजपुर जिले के लिए बहुत खुशी की बात है है। यहां के लोग उस देश में जाकर फ्रांसीसी से आजाद दिलाए अब उससे ज्यादा खुशी की क्या बात हो सकती है। वहीं मॉरिशस के प्रधानमंत्री डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम के परिजनों की मांग है कि मॉरिशस के राष्ट्रपिता सर शिवसागर राम गुलाम का स्टेच्यू हरिगांव में लगे, जैसे पटना में गांधी मैदान के कोने में लगा हुआ है वैसे ही इस गांव में लगे। इसके साथ ही डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम को हरिगांव लेकर आए जैसे 2008 में लेकर आए थे। हम लोग चाहते हैं कि इस परिवार से डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम मिले क्योंकि इस परिवार से खून का रिश्ता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां जा रहे हैं, तो उनसे निवेदन है कि वहां के प्रधानमंत्री को हमारा परिवार मिलना चाहता है। 2008 में आए थे, लेकिन प्रोटोकॉल की वजह से नहीं मिल पाए। संतोष ने मांग की है पटना के तर्ज पर उनके गांव हरिगांव में मॉरिशस के प्रथम प्रधानमंत्री सह राष्ट्रपिता सर शिवसागर राम गुलाम की आदमकद प्रतिमा लगाया जाए। सरकार उन्हें उनके परिवार से मिलाए नवीनचंद्र राम गुलाम के रिश्ते में भतीजे लगने वाले सुनील कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम के वंशजों की तरफ से निमंत्रण देते हुए कहें कि वह अपने पैतृक गांव हरिगांव आएं और वंशजों से जरूर मिले । 2008 में वंशजों से नहीं मिलने दिया गया था यह काफी दुख की बात थी। वहीं पंचायत के मुखिया विजय शंकर चौबे ने कहा कि गांव में काफी खुशी मनाई जा रही है। इस मिट्टी का लाल PM मोदी, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम की आमंत्रण पर मिलने जा रहे हैं

शेखपुरा से लापता नाबालिग दिल्ली से बरामद

शेखपुरा। में एक महीने पहले लापता हुई 16 वर्षीय छात्रा को पुलिस ने दिल्ली से बरामद कर लिया है। नगर थाना पुलिस ने बताया कि किशोरी दसवीं कक्षा की छात्रा है और स्कूल जाते समय लापता हो गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 12 फरवरी को किशोरी के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में गांव के युवक विक्रम कुमार पर अपहरण का आरोप लगाया गया था। पुलिस सब इंस्पेक्टर प्रीति कुमारी के नेतृत्व में टीम ने किशोरी को दिल्ली से बरामद किया। किशोरी को मेडिकल जांच के बाद शेखपुरा सिविल कोर्ट

में पेश किया गया। वहां उसका बयान धारा 164 के तहत दर्ज किया गया। सूत्रों के अनुसार, यह प्रेम प्रसंग का मामला है। किशोरी विक्रम कुमार के साथ दिल्ली भाग गई थी, जहां दोनों ने मंदिर में शादी कर ली। पुलिस ने भी इस घटना को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा है। हालांकि, आरोपी विक्रम कुमार अभी तक गिरफ्तार नहीं हो पाया है।

पटना में ग्राम रक्षा दल का प्रदर्शन

पटना। में मानदेय बढ़ाने और स्थाई नौकरी की मांग को लेकर ग्राम रक्षा दल सह पुलिस मित्र ने प्रदर्शन किया। कारगिल चौक से विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। इससे पहले पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जेपी गोलंबर को रोक दिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर पर ही बैठ गए। प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर पासवान ने बताया कि वेतनमान और स्थाई नौकरी हमारी प्रमुख मांग है। लंबे समय से सिर्फ आश्वासन ही मिलता आ रहा है। बीजेपी-जेडीयू और आरजेडी-जेडीयू गठबंधन की सरकार ने हमलोगों के लिए कुछ नहीं किया। कोई सुनवाई नहीं हो रही है।कैमरे के सामने रोते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कोई सुनने वाला नहीं है। हमलोग कहां जाएं। ग्राम रक्षा दल के सदस्यों से थानों पर पुलिस की तरह काम लिया जाता है। बड़े-बड़े सरकारी आयोजनों में ड्यूटी लगाई जाती है। इसके बदले वेतन भी नहीं मिलता है। नौकरी भी स्थाई नहीं है। घर चलाना मुश्किल हो रहा है। काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

होली पर शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन सतर्क

तारापुर। होली का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर तारापुर थाना में शांति समिति की बैठक हुई। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं के साथ नगर पंचायत और त्रिस्तरीय पंचायत के सदस्य भी शामिल हुए। अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षेत्र में होली को लेकर जानकारी ली। तय हुआ कि प्रशासन 12 से 15 मार्च तक लगातार सक्रिय रहेगा। 13 मार्च को होलिका दहन को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। पंचायत के मुखिया को भी जिम्मेदारी दी गई कि वे सतर्क रहें। किसी की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचे। सरकारी सड़कों पर होलिका दहन नहीं हो। अगर मजबूरी हो तो नीचे ईंट की परत बिछाकर ही दहन करें। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने भी सतर्कता बरतने की अपील की। छुट्टी में घर लौट रहे लोगों को जबरन कीचड़ या रंग नहीं लगाया जाए। इसके लिए पुलिस की गश्त लगातार जारी रहेगी। इस बार होली और रमजान एक ही दिन पड़ने से मस्जिदों और आसपास के इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत बताई गई। किसी को जबरन रंग नहीं लगाया जाए। एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान किया जाए। नशे की बिक्री और सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वाहनों, डीजे और अन्य जगहों पर अश्लील गानों पर रोक रहेगी। केमिकल वाले रंगों का इस्तेमाल नहीं होगा। दुकानों में बिक रहे रंगों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। अग्निशमन और चिकित्सा पदाधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं से अपील की गई कि वे अफवाहों और छोटे विवादों को बढ़ने से रोकें। जरूरत पड़ने पर प्रशासन को तुरंत सूचना दें।बैठक के उपरांत सभी पदाधिकारी ने एक दूसरे अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। बैठक में थानाध्यक्ष राजकुमार, बीडीओ प्रशांत कुमार, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी ऋचा प्रभा, मिथिलेश सिंह मौजूद रहे।

पुलिस में सिपाही के 19,838 पदों के लिए भर्ती

पटना। बिहार पुलिस में सिपाही के 19,838 पदों पर नई भर्ती होगी। महिलाओं के लिए 6 हजार 17 पद आरक्षित है। 18 मार्च से 18 अप्रैल तक आवेदन लिए जाएंगे। सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करेंगे। CSBC के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने इसकी घोषणा मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की है। आयोग के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा इसके लिए विज्ञापन आज प्रकाशित कर रहे हैं। विज्ञापन को आज वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। 18 मार्च 2025 से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। 18 अप्रैल 2025 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों से अपील है कि विज्ञापन को अच्छे तरीके से पढ़ें। इसके बाद ही ऑनलाइन फॉर्म को भरना शुरू करें। आवेदन पत्र जमा करने के बाद उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। लिखित के बाद फिजिकल भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा (ढएळ) होगी। इसमें सामान्य ज्ञान और बुनियादी विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके बाद योग्य उम्मीदवारों को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा, जिसमें दौड़, ऊंची कूद और गोला फेंक जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इस चरण में सफल उम्मीदवारों की अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

BJP में एडवोकेट स्मृति कुमारी को बड़ी जिम्मेदारी

सुपौल। भारतीय जनता पार्टी सुपौल ने संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है। बीजेपी ने नगर पंचायत सिमराही निवासी और वार्ड पार्षद सह एडवोकेट स्मृति कुमारी को जिला मंत्री पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल की सहमति और भाजपा सुपौल जिलाध्यक्ष नरेंद्र ऋषिदेव के निर्णय अनुसार की गई। स्मृति कुमारी ने पार्टी नेतृत्व का जताया आभारइस अवसर पर स्मृति कुमारी ने पार्टी नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और जनसेवा को प्राथमिकता देने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से सहयोग एवं समर्थन की अपील की।भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में खुशीएडवोकेट स्मृति कुमारी की नियुक्ति पर भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में जश्न का माहौल

है। कार्यकताओं ने आशा जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा। स्थानीय जनता ने भी उनके समाजसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्मृति कुमारी की इस नियुक्ति से भाजपा कार्यकताओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं ने दी बधाईपार्टी पदाधिकारियों और स्थानीय कार्यकताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि स्मृति कुमारी संगठन को नई दिशा प्रदान करेंगी और पार्टी को अधिक सशक्त बनाएंगी। उनके जिला मंत्री बनने पर भाजपा नेता सचिन माधौगरिया, बैद्यनाथ भगत, नगर अध्यक्ष उमेश गुप्ता, महामंत्री राजकुमार पोद्दार, प्रशांत वर्मा, मंडल अध्यक्ष भरत सिंह सहित अन्य कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी।

बिहार में चुनाव से पहले 52,525 अफसरों की नियुक्ति होगी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 52 हजार 525 अफसरों की नियुक्ति होगी। इनमें 12 हजार 437 से ज्यादा बिहार कर्मचारी आयोग से तो 16 हजार 513 अफसरों की नियुक्ति BPSC के जरिए होगी। ये जानकारी बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में दी। दरअसल, विधानसभा में बजट सत्र के आठवें दिन मंत्री विजय चौधरी सामान्य प्रशासन विभाग का बजट सदन में पेश कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'चुनाव से पहले नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसमें 176 न्यायिक सेवा के अधिकारी हैं।'विजय चौधरी ने कहा, 'बिहार में 38 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई हो रही। है। है। 15 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई शेष है। इसको कवर करने की कोशिश की जा रहीं है। बाढ़ नियंत्रण को लेकर भी सरकार गंभीर है और कम कर रही है। राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। बाढ़ नियंत्रण को लेकर हाइलेवल डैम बनाने की जरूरत है। इसको लेकर नेपाल में जगह चिन्हित कर लिया गया है, लेकिन नेपाल बनने नहीं देता है।' मंत्री विजय चौधरी के जवाब के बाद सदन की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले BJP विधायक हरिभूषण बचौल ने बाबा बागेश्वर के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा- 'भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। बिहार में पहले से हिंदू राज है। देख लीजिए, मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री सब हिंदू है।' 'जब हिंदू मुसलमान का बंटवारा हुआ था। तब से भारत हिंदू राष्ट्र है ही। बाबा धीरेंद्र शास्त्री सनातनी को एकजुट करने आए हैं।'RJD विधायक रामवृक्ष सदा ने बाबा

बागेश्वर पर निशाना साधते हुए कहा- 'वो अगर हिंदू रहते तो हर हमेशा हिंदू की रट नहीं लगाते। सबसे पहले बाबा बागेश्वर हिंदू बनने के लिए कहिए। उसके बाद दूसरे को कहिए।'

बचौल के बयान पर आरजेडी विधायक ने कहा- 'देश संविधान से चलता है। किसी के बोलने से नहीं। आगे बिहार में चुनाव है। ये लोग दंगा करवा कर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी आपस में भाई-भाई हैं।'बचौल बोले- मेरा बाप चारा चोर नहीं था सोमवार को BJP विधायक हरिभूषण सिंह बचौल ने होली पर मुसलमानों को घर में रहने की सलाह दी थी। उनके बयान पर सियासत गरमा गई है। बचौल के बयान के बाद तेजस्वी ने कहा था- 'बचौल या उसके बाप का राज है क्या।' नेता प्रतिपक्ष के इस बयान पर बचौल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा- 'मेरा बाप सजायाफ्ता नहीं है। किसी के पिता की तरह मेरा बाप जेल नहीं गया है। चारा चोर नहीं था। ना ही पशुओं का चारा खाया है।' विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई जो एक बार बीच में ब्रेक हुई। लंच के बाद कार्यवाही फिर शुरू हुई जो शाम 5 बजे तक चली। इसके बाद कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।आरा में सोमवार को 25 करोड़ के गहनों की लूट पर विधान परिषद में सीएम नीतीश कुमार ने कहा, 'जहां कहीं भी पता चलता है, तुरंत हम लोग एक्शन लेते हैं। हमको भी ऐसी घटना पर दुख होता है। पता नहीं कौन गड़बड़ करता रहता है। हम तो तुरंत एक्शन लेते हैं। जहां के बारे में शिकायत है लिखकर दीजिए एक्शन होगा।' 38 जिलों में सावित्रीबाई फुले के नाम पर अस्पताल बनेंगे सम्राट चौधरी ने विधान परिषद में कहा, 'बिहार के सभी 38 जिलों में सावित्रीबाई फुले के नाम पर सरकार हॉस्टल बनवाएंगे। बिहार के सभी प्रखंड में डिग्री कॉलेज बनाने का संकल्प सरकार ने लिया है। साथ ही 223 करोड़ रुपए से वीमेंस हॉस्टल भी बनाया जाएगा। इसमें भारत सरकार भी राशि दे रही है।' स्वास्थ्य विभाग में 11, 925 नियुक्तियां होंगी विधान परिषद में प्रोफेसर संजय कुमार के सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि 'फार्मासिस्ट पद के लिए 2473, एक्स-रे टेक्नीशियन के लिए 1232, ECG टेक्नीशियन के लिए 242, लैब टेक्नीशियन के लिए 2969, सर्जरी असिस्टेंट के लिए 1683, ड्रेसर के लिए 3326 पदों पर भर्ती होगी। बहाली के लिए विज्ञापन को सहमति दी जा चुकी है।

संक्षिप्त डायरी

योग दर्शन के लिए है, शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं

मुंगेर। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने सोमवार को मुंगेर के जेएसए मैदान में उज्जवल बिहार महासत्संग को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि दर्शन के लिए होता है। आर्ट ऑफ लिविंग का दिया मूल मंत्रीी रविशंकर ने श्रद्धालुओं को स्वस्थ और प्रसन्नचित रहने के मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हर परिस्थिति में प्रसन्नचित रहना चाहिए। मनुष्य को ज्ञान के पथ पर चलना चाहिए। ध्यान से शरीर को शक्ति मिलती है। इससे बुद्धि में तीक्ष्णता आती है।मां चंडिका धाम में की पूजा-अर्चना कार्यक्रम के बाद श्री श्री रविशंकर को अंगवस्त्र और फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद वे मां चंडिका स्थान पहुंचे और पूजा-अर्चना की। वहां से वे बोधगया में होने वाले अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। उनके आगमन को लेकर सफियावाद स्थित हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई। मुंगेर से जमालपुर कार्यक्रम स्थल तक भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

सड़क हादसे में 1 मौत, 2 घायल

बेगूसराय। में तेज रफ्तार बाइक के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए हैं। घटना मंझौल-गढ़पुरा सड़क पर महुआ मोर के समीप की है। मृतक की पहचान मंझौल पंचायत-3 के वार्ड नंबर-3 निवासी धनिक सदा के पुत्र बुग्गी सदा (37) के रूप में हुई है। हादसे में छोटे सदा का पुत्र संजय सदा (30) एवं जंगली सदा का पुत्र रविन्द्र सदा (32) गंभीर रूप से घायल है। घटना के संबंध में वार्ड सदस्य सुधीर सदा ने बताया कि पल्सर बाइक पर सवार तीनों युवक रात में मंझौल बाजार से लौट रहा था। इसी दौरान महुआ मोड़ के समीप ट्रक ने ठोकर मारकर कुचल दिया। जिसमें बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थोड़ी देर बाद मौके पर से गुजर रही पुलिस ने तीनों को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई, सूचना मिलते ही हम लोग पहुंचे। इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल बुग्गी सदा की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले की जांच में जुटी पुलिस संजय सदा और रविन्द्र सदा का इलाज चल रहा है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक को छह बच्चे थे, जिनके भरण-पोषण की समस्या उत्पन्न हो गई है। मंझौल थाना की पुलिस मामले की जांच-पड़ताल और आगे कार्रवाई कर रही है।

कटिहार में 2 किशोरी की खंभे से बांध कर पिटाई

कटिहार। में दो किशोरी को खंभे से बांध कर उनकी पिटाई की गई है। बारसोई प्रखंड के भवानीपुर पंचायत में स्थित तलवा चौक सरस्वती मंदिर के पास दो किशोरियों के साथ स्थानीय लोगों ने दुर्व्यवहार किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पिंकी कुमारी और शकुंतला कुमारी नाम की दोनों किशोरियां तलवा गांव की रहने वाली हैं। वे मंदिर के चारों ओर लगी लकड़ी के बाड़ को हटा रही थीं। इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने उन्हें देख लिया। गुस्साए ग्रामीणों ने दोनों किशोरियों को सीमेंट के खंभे से बांध दिया और आबादपुर पुलिस को सूचना दे दी। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में एक बदमाश को अरेस्ट किया है। पुलिस ने किशोरियों को रस्सी से छुड़ाया सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने किशोरियों को रस्सी से छुड़ाया। किशोरियों का कहना है कि मंदिर उनके पिता की जमीन पर स्थापित है, इसलिए वे लकड़ी के बाउंड्री को हटा रही थीं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि दिन में इस तरह की कार्रवाई उचित नहीं है।अंचल पदाधिकारी श्यामसुंदर शाह और थाना अध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि दोनों किशोरियों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जमीन के स्वामित्व की भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने दोनों किशोरियों को पूछताछ के लिए आबादपुर थाने ले गई है। इस मामले में एसपी वैभव शर्मा ने बताया है कि बारसोई अनुमंडल के आबादपुर थाना क्षेत्र में भवानीपुर पंचायत में दो युवतियों को बांधकर कुछ लोगों ने पीटा। इसका वीडियो वायरल हुआ है । वीडियो के संज्ञान में आने के बाद पुलिस गश्ति टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ के बाद उसके परिवार के सुपुर्द किया गया। मामले में एफआईआर भी दर्ज हुआ है। मामले में वीडियो में दिख रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया हैं। बाकी लोगों की पहचान की जा रही हैं। जो भी लोग इसमें दोषी होंगे उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि अनुसंधान की जा रही है की लड़कियों को क्यों बांधा गया । कुछ बातें सामने आई है की जमीन के मामले में टट्टी हटाने का प्रयास किया गया था, इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है।

पूर्णिया में बेटे ने पिता की कर दी हत्या

पूर्णिया । में बेटे ने पिता की मारपीट कर हत्या कर दी। मारपीट के दौरान बेटे ने पिता को इस कदर धक्का दिया, कि सर सीधे दीवार से जा टकराई। सिर में चोट लगने के कुछ ही मिनटों के भीतर तड़पकर पिता ने बेटे और पोते की आंखों के आगे दम तोड़ दिया। घटना रूपौली की है। मृतक की पहचान रूपौली थाना क्षेत्र के गिद्दा गांव निवासी श्यासर साह के बेटे राम विलास साह के रूप में हुई है। जिनकी मौत के बाद से परिजनों में मातम पसरा है। घटना के बाद से घर के बाहर लोगों की भीड़ लगी है। हत्या का आरोप बड़े बेटे गोपाल साह पर है।घटना की जानकारी देते हुए रिश्तेदार नीरज साह ने बताया कि वे 4 भाई हैं। सभी रूपौली के गिद्दा गांव में रहते हैं। राम विलास साह अपने पोते की गलती पर उन्हें डांट रहे थे। जिद करने पर उन्होंने पोते को थोड़ी पिटाई भी लगाई। बच्चे ने ये बात जाकर अपने पिता गोपाल साह को बताई।बेटे की पिटाई से भड़के गोपाल साह की अपने पिता से कहासुनी हो गई। इस पर पिता ने बेटे पर एक थप्पड़ जड़ दिया। इसी के बाद बेटे ने पीटा के साथ धक्कामुक्की और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान जोर का धक्का देने पर राम विलास साह का सिर दीवार से जा टकराया। इसके कुछ ही देर बाद घरवालों के आंखों के सामने उनकी जान निकल गई।

केक काटकर मनाया सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पैंसरी का 5वां स्थापना दिवस

कुरुक्षेत्र । सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पैंसरी एवं संगीत कला केंद्र, महावीर सत्संग सभा शीला नगर के स्टाफ सदस्यों ने मंगलवार को केक काटकर डिस्पेंसरी व संगीत कला केंद्र का 5वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस के मौके पर डिस्पेंसरी में एक निशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में 48 बीपी व शुगर के मरीजों की निशुल्क जांच की गई। डिस्पेंसरी के सदस्यों ने बताया कि सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पेंसरी निरंतर मरीजों की सेवा में तत्पर है। डिस्पेंसरी के पांच वर्ष पूरे होने पर सभी स्टाफ और मेंबर बधाई के पात्र हैं। 11 मार्च 2020 को डिस्पेंसरी का शुभारंभ ट्रस्ट के संचालक सजनजी ने अपने कर कमलों से किया था। सदस्य जितेंद्र अरोड़ा, सतीश कुमार, मनोज गाबा, लक्की मुंजाल व अनिल चावला ने बताया कि यहां पर नेत्र रोग विशेषज्ञ, जनरल ओपीडी, दंत रोग विशेषज्ञ व फिजियोथैरिपी आदि की सुविधा उपलब्ध है। सदस्य मनोज गाबा ने बताया कि ट्रस्ट अब तक देश के विभिन्न भागों में चौदह चैरिटेबल डिस्पैन्सरी एवं लैब का कुशल संचालन कर रहा है तथा इन डिस्पैन्सरियों से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर अब तक लाखों सजन सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस डिस्पेंसरी में मरीजों को पंजीकरण के लिए मात्र 30 रुपये का शुल्क देना होगा, जोकि दो दिन तक मान्य होगा। इसके अलावा लैब में सभी टेस्ट बाजार से आधे दाम में किए जाते है। इस अवसर पर डा. विष्णु दत्त शर्मा, डा. दीक्षा सैनी, डा. काजल, हेमंत, राजू, स्वीटी, सुमन, निशा, काजल आदि मौजूद रहे। सदस्य सतीश कुमार ने बताया कि सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र को भी पांच वर्ष पूरे हुए है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने घोषित किए एनईपी-2020 के तहत् आयोजित 15 परीक्षाओं के परिणाम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा द्वारा एनईपी-2020 के तहत् आयोजित 15 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित बीसीए 5वां सेमेस्टर, एमएससी (भौतिकी) प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) (रि-अपीयर), बीएचएम और सीटी 5वां सेमेस्टर (फ्रेश) नॉन-सीबीसीएस,एमएससी टेक एप्लाइड (जियो-फिजिक्स) (नॉन-एनईपी) प्रथम सेमेस्टर, एमबीए 9वां सेमेस्टर (नॉन-एनईपी) तथा बीए (मास कम्युनिकेशन) प्रथम सेमेस्टर (नॉन-सीबीसीएस) परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि मई 2024 में आयोजित बीएससी (ग्राफिक्स और एनिमेशन) चौथा सेमेस्टर (एनईपी), 7. बीए (ऑनर्स) इतिहास दूसरा सेमेस्टर (एनईपी), बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान दूसरा सेमेस्टर (एनईपी), बीए (ऑनर्स) गणित द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी), बीएससी (ऑनर्स) गणित द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी), बीए (ऑनर्स) पंजाबी द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी), बीए (ऑनर्स) भूगोल द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी) तथा अक्टूबर 2024 में आयोजित एमए (राजनीति विज्ञान) ऑनलाइन (डीडीई) व मई 2023 में आयोजित एमटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) चौथा सेमेस्टर कक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए है।

बदलते मौसम में सेहत का ख्याल जरूरी - डॉ. आशीष अनेजा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र के एडमिनिस्ट्रेटर एवं मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष अनेजा ने कहा है कि बदलते मौसम में सेहत का ख्याल रखना जरूरी है। वर्तमान में सुबह एवं सायं को जहां ठंड महसूस होती है वहीं दिन का तापमान 30 डिग्री तक चला गया है। ऐसे में बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिन और रात के तापमान में करीब 13- 14 डिग्री सेल्सियस के अंतर के कारण लोगों में सर्दी जुकाम और बुखार के अलावा गले में दर्द और थकान जैसी बीमारियां सामने आने लगी हैं। ऐसे में व्यक्ति को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। पौष्टिक आहार लें चाहिए, इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। मौसमी फलों एवं सब्जियों को खाना चाहिए, विटामिन सी वाले फल जैसे संतरा, नींबू का ज्यादा सेवन करें।

राजकीय पॉलिटेक्निक उमरी में द्वितीय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का भव्य उद्घाटन

कुरुक्षेत्र । राजकीय पॉलिटेक्निक उमरी में दो दिवसीय द्वितीय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का शुभारंभ आज बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के प्रधानाचार्य जोगिंद्र सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को खेलों और अनुशासन के प्रति प्रेरित किया। उद्घाटन समारोह में भव्य मार्च पास्ट और मशाल प्रज्वलन के साथ खेलों का शुभारंभ किया गया। स्पोर्ट्स प्रेसिडेंट कंवल सचदेवा ने सभी प्रतिभागिओं को खेलों में सच्ची खेल भावना से भाग लेने की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। लड़कों के वर्ग में 100 मीटर दौड़ में नितिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि विकास दूसरे स्थान पर और मयंक शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। 200 मीटर रेस में विकास, नितिन और मयंक शर्मा ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर रेस में मयंक शर्मा, विकास और पवन ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में 100 मीटर दौड़ में रुखसाना प्रथम, नेहा देवी दूसरे और सोनिया तीसरे स्थान पर रही। और 200 मीटर रेस में नेहा देवी, सोनिया और ईशा ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाया।
100 मीटर महिला स्टाफ रेस में मैडम ज्योति, मैडम कुसुम और मैडम संगीता ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर पुरुष स्टाफ रेस में अंकित कुमार, सन्नी बरार और विजेंद्र कुमार क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

अवैध खनन परिवहन में एक ट्रक जब्त

सोनीपत। उपायुक्त मनोज कुमार ने बताया कि अवैध खनन को पूर्णतया बंद करने के लिए खनन विभाग द्वारा दिन-रात लगातार चैकिंग की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को एक ट्रक जब्त किया गया। खनन विभाग के अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि अवैध खनन परिवहन को रोकने के लिए सोमवार को खान एवं भू विज्ञान विभाग, सोनीपत एवं हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्युरो, मिमारपुर की टीम के द्वारा ट्रक को अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त पाये जाने पर पकड़कर पुलिस थाना कुंडली में बंद किया गया है। जिसके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दिन-रात लगातार चैकिंग की जा रही है। अवैध खनन से जुड़े व्यक्तियों, वाहनों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और अवैध खनन से जुड़े लोंगों पर विभाग का प्रहार आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बाजेकां स्कूल में हुई प्रश्नोत्तरी व चित्रकला प्रतियोगिता

सिरसा। प्रचार और प्रसार मंडल, हिसार एवं हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकूला के तत्वावधान में सोमवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बाजेकां में पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतु संरक्षण विषय पर प्रश्नोत्तरी व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्रकृति और जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।प्रश्नोत्तरी में अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया, वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता को उकेरा। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के माध्यम से जंगल संरक्षण,लुप्तप्राय जीव-जंतु और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया।

पुलिस अधीक्षक ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को कैशलेस सुविधा देने वाले,हॉस्पिटलों के डॉक्टरों के साथ बैठक की

दुर्घटना में घायल को गोल्डन ऑवर के दौरान नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचा कर,उनका बहुमूल्य जीवन बचाया जा सकता है

सिरसा।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित पैनल हॉस्पिटलों के डॉक्टरों और टेक्निशियनों के साथ बैठक कर सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को दी जाने वाली कैशलेस स्कीम के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने बैठक में उपस्थित डॉक्टरों से कहा कि हरियाणा पुलिस ने इस संबंध में एक अनूठी पहल शुरू की गई है ।उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायलों को अब 1.5 लाख रुपये की कैशलेस मुफ्त उपचार सुविधा प्रदान की जा रही है, सड़क दुर्घटना में पीड़ित की मदद के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरु की है,जिसके तहत सड़क दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस रिपोर्ट दर्ज होने पर सात दिनों तक 1.5 लाख रुपए तक के उपचार को कवर किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित पैनल हॉस्पिटल का प्रबंधन करने वाले सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का डेटा अपने सॉफ्टवेयर में अपलोड करेगें और संबंधित पुलिस स्टेशन को सूचित करेगा । पुलिस छह घंटे के भीतर पुष्टि करेगी कि उक्त व्यक्ति सड़क दुर्घटना में शामिल था या नहीं ।उन्होंने बताया कि पुलिस की जांच के दौरान सड़क दुर्घटना की पुष्टि होने पर,ही घायल व्यक्ति को कैशलेस मुफ्त उपचार मिले सकेगा । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद का एक घंटा गोल्डन ऑवर होता है, इसलिए यदि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को नजदीकी हॉस्पिटल में पहुंचाया जाए समय रहते,व्यक्ति के बहुमूल्य जीवन बचाया जा सकता है ।पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने उपस्थित सभी डॉक्टरों व टेक्नीशियनों से कहा कि हमें मिलजुल कर काम करने की आवश्यकता है,इसलिए आप अपने अधीनस्थ इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन, एंबुलेंस ड्राइवर,टीएमएस जनरेट करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर व पुलिस डिपार्टमेंट के कर्मचारियों के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं,ताकि छोटी से छोटी जानकारी एक दूसरे के साथ साझा की जा सके,ताकि समय रहते आसपास के इन हॉस्पिटल में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दाखिल करवाकर गोल्डन ऑवर में उक्त व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करवा कर उसका बहुमूल्य जीवन बचाया जा सके । इस बैठक में एएसपी उत्तम पहल,सिविल अस्पताल के डिप्टी सीएमओ रामकिशन, डीएमसी अस्पताल के डॉक्टर राजकुमार, डीएसपी आदर्श दीप,डीएसपी विकास कृष्ण सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

शहर के चहुंमुखी विकास के लिए ऐतिहासिक कदम - डा. यशपाल

पलवल नगर परिषद का 133 करोड़ का वार्षिक बजट पास

पलवल।

पलवल नगर परिषद की वार्षिक बजट बैठक मंगलवार को नगर परिषद अध्यक्ष डा. यशपाल की अध्यक्षता में नगर परिषद कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए 133 करोड़ 61 लाख 55 हजार रुपये का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह बजट पिछले वर्ष 2024-2025 के 83 करोड़ 92 लाख 50 हजार रुपये की तुलना में लगभग 50 करोड़ रुपये अधिक है। नगर परिषद द्वारा पारित किया गया यह बजट शहर के सर्वांगीण और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

बजट के तहत मुख्य सडक़ों, आंतरिक मार्गों और गलियों का चौड़ीकरण, मरम्मत एवं नए निर्माण कर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाया जाएगा। विशेष रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों और रिहायशी कॉलोनियों में उच्च गुणवत्ता वाली सडक़ें प्राथमिकता हैं, जिन पर 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 5 करोड़ की लागत से नगर परिषद कार्यालय भवन का नव-निर्माण किया जाएगा। यह कार्यालय नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और डिजिटल इंडिया अभियान के तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त ग्रीन बिल्डिंग तकनीक वाला होगा। फव्वारे, लैंडस्केपिंग, एलईडी लाइटिंग और ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप सजावट पर 4 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

शहर की सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरे और स्मार्ट ट्रैफिक लाइटों पर 3 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दिव्यानगर योजना, डिजिटल लाइब्रेरी एवं आईसीसीसी पर 6 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल बुनियादी ढांचा, युवाओं हेतु डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट सिटी सेवाओं हेतु इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर शामिल हैं। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए आधुनिक सामुदायिक केंद्र। ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक और बच्चों के खेल उपकरण सहित हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 5 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण एवं रखरखाव पर 1 करोड़ 50 लाख रुपये, शमशान घाटों और मोक्षधामों का सुधारीकरण पर 1 करोड़ 35 लाख रुपये, मीट मार्केट का निर्माण 1 करोड़ रुपये की लागत से, गौशाला निर्माण हेतु 25 लाख रुपये तथा तालाबों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पर 25-25 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। नगर परिषद अध्यक्ष डा. यशपाल ने कहा कि यह बजट पलवल शहर के सर्वांगीण और समावेशी विकास को नई गति देगा। हमारी प्राथमिकता स्मार्ट सिटी की अवधारणा को साकार करना है, जिसमें पारदर्शिता, समयबद्ध क्रियान्वयन और जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हम पलवल को एक आदर्श और आत्मनिर्भर शहर के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पलवल नगर परिषद द्वारा पारित 133.61 करोड़ रुपये का यह बजट न केवल अब तक का सबसे बड़ा बजट है, बल्कि शहर को एक नए युग में प्रवेश करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल भी है। पारदर्शी, उत्तरदायी और समावेशी विकास के साथ पलवल नगर परिषद नागरिकों को एक बेहतर भविष्य की सौगात देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आतंकी अब्दुल रहमान के रिमांड के सात दिन पूरे, नहीं मिला हैंड ग्रेनेड देने वाला

फरीदाबाद। फरीदाबाद में हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा पकड़े गए आतंकी अब्दुल रहमान के पुलिस रिमांड के सात दिन पूरे हो चुके है। अभी तक जांच एजेंसी हैंड ग्रेनेड मुहिया कराने वाले शख्स को नहीं पकड़ पाई है। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस नेटवर्क में शामिल दूसरे आरोपियों के लिए कई राज्यों में छापेमारी कर चुके हैं। आतंकी अब्दुल रहमान (19) को हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स फरीदाबाद ने 2 मार्च को गुजरात एटीएस और केन्द्रीय एजेंसी आईबी की मदद से पकड़ा था। अब्दुल की गिरफ्तारी के समय जांच एजेंसियों को उसके पास से दो जिंदा हैंड ग्रेनेड मिले थे। जिनको बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय किया था। ये हैंड ग्रेनेड फरीदाबाद कैसे पहुंचे और अब्दुल तक इनको पहुंचाने वाला शख्स कौन था। इसका खुलासा जांच एजेंसी अभी तक नहीं कर पाई है। पाली इलाके से गिरफ्तार आतंकी अब्दुल रहमान को तीन मार्च को कोर्ट में पेश कर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने 10 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था। जिसमें से पुलिस रिमांड के 7 दिन पूरे हो चुके हैं। अब्दुल को हैंड ग्रेनेड देने वाला शख्स अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। एसटीएफ की एक अधिकारी ने बताया कि अब्दुल की गिरफ्तारी के बाद से ही उसके साथियों को पकडऩे के लिए कई राज्यों में छापेमारी की जारी है। लेकिन अभी तक सभी जगह से खाली हाथ लौटना पड़ा है। उन्होंने बताया कि अब्दुल को हैंड ग्रेनेड देने वाला शख्स कभी उससे मिला ही नहीं था। अब्दुल को हैंड ग्रेनेड की केवल लोकेशन दी गई थी, लोकेशन के आधार पर अब्दुल ने पाली इलाके में जाकर मिट्टी में दबे हैंड ग्रेनेड को निकाला था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि फरीदाबाद में किसी स्लीपर सैल के द्वारा हैंड ग्रेनेड को पहुंचाया गया है। हैंड ग्रेनेड को पहुंचाने वाला और उसकी लोकेशन अब्दुल को देने वाला दोनों अलग-अलग हो सकते हैं। इस घटना से पचा चल रहा है कि फरीदाबाद में भी स्लीपर सैल एक्टिव है। जांच एजेंसी एसटीएफ ने अब्दुल रहमान के मां-बाप के भी मोबाइल अपने कब्जे में ले लिए है। पुलिस सभी के मोबाईल पर की गई कॉल के रिकार्ड खंगाल रही है। अब्दुल सहित उसके मां-बाप के मोबाइल से जिन नंबरो को कॉल किया गया था, वे लोग भी एसटीएफ के रडार पर हैं। आतंकी अब्दुल रहमान का 10 दिन का रिमांड 13 मार्च को पूरा हो रहा है। जिसके बाद फिर से अब्दुल को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बाइक सवारों ने महिला के गले से चेन झपटी

गुरुग्राम। सेक्टर-चार में बाइक सवार दो युवकों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। महिला ने इन युवकों का पीछा किया, लेकिन वह भागने में कामयाब हो गए। पुलिस चौकी, सेक्टर-चार ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-चार के मकान नंबर 127 की रहने वाली नेहा भारद्वाज ने पुलिस को शिकायत दी कि रविवार रात आठ बजे वह घर से पूजा करने के लिए समीप लगते राम मंदिर जा रही थी। मकान नंबर 501 के समीप पहुंचीं तो बाइक पर सवार दो लड़के उसके पास से तेजी से निकले। कुछ दूरी पर उन्होंने बाइक को रोक दिया। इसके बाद इन युवकों में से एक युवक ने उसके गले से सोने की चैन झपट ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध हथियारों सहित दो बदमाश गिरफ्तार

सोहना। अपराध शाखा सोहना पांच पुलिस ने दो बदमाशों को अवैध हथियार, सरिया और बैटी समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ शहर थाना में मामला दर्ज कराया है। सोमवार का गश्त कर रही सोहना अपराध शाखा पांच पुलिस की टीम ने शहर के वार्ड-13 से जाने वाला पुराना अलवर मार्ग के बीच में दो बदमाश अवैध हथियार व लोहे की सरियां लेकर खड़े हुए थे। जिनका इरादा रात के अंधेरे में किसी भी वाहन चालक, मालिक या राहगिर के साथ अपराधिक वारदात को अंजाम देना था। पुलिस ने दोनों बदमाशों को काबू करते हुए उनके पास से अवैध हथियार को जिंदा कारतूश समेत और एक लोहे की सरियां व बैटी बरामद की है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान तालीम निवासी सहसन व सोहेल निवासी झोपड़ी थाना झुरेहड़ा जिला डीग राजस्थान निवासी के रुप में हुई है। गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ शहर थाना सोहना में मामला दर्ज कराया गया है।

बाढ़ प्रबंधन को लेकर विकास कार्यों को तेजी से करवाएं पूरा : उपायुक्त

सोनीपत। 54वीं हरियाणा तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार को हरियाणा कि वित्तीय आयुक्त, राजस्व एवं एसीएस राजस्व एवं आपदा प्रबंधन डॉ. सुमिता मिश्रा ने वीसी के माध्यम से बाढ़ प्रबंधन कार्यो की समीक्षा को लेकर उपायुक्तों के साथ बैठक की ओर उनको जिले में बाढ़ प्रबंधन कार्यो को लेकर किये जा रहे कार्यो के बारे में उचित दिशा-निर्देश दियें। उपायुक्त मनोज कुमार ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रबंधन को लेकर जिला में किए जा रहे विकास कार्यों को तेजी से पूरा करवाएं, ताकि ये सभी कार्य आने वाली बरसाती सीजन तक पूरे हो सकें और लोगों को बरसात सीजन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े एवं नए कार्यो जिनकी अनुमति मिली है। उन्हें एक बार फिर से पुनः विचार करें व जो भी कार्यो ज्यादा जरूरी है। उसे सबसे पहले करवाया जाए। उपायुक्त ने मगंलवार को लघु सचिवालय में सिंचाई व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक कर उन्हें उचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आगामी सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 55वीं एवं 56वीं बैठक में रखे गए 43 और 27 कार्यो की भी समीक्षा की।

उपायुक्त ने कहा कि सिंचाई विभाग द्वारा जलभराव की समस्या के समाधान के लिए जो भी विकास कार्य करवाएं जा रहे है, उनमें क्वालिटी का विशेष ध्यान रखें। अगर कहीं से इस बारे में कोई शिकायत मिली तो उसकी तुरंत जांच करवाकर उसे तुरन्त दुरूस्त करें।

उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए बारिश के पानी की निकासी के लिए पम्पिंग सेट की व्यवस्था होनी चाहिए पूरी तरह दुरूस्त होनी चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता कुरुक्षेत्र पहुंचे

सभी धर्मप्रेमियों को 1008 कुण्डीय जनकल्याण शिव शक्ति महायज्ञ में भाग लेने का किया आह्वान

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में यज्ञ सम्राट स्वामी हरिओमजी महाराज के सान्निध्य में 18 से 27 मार्च तक 1008 कुण्डीय जनकल्याण शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। इस महायज्ञ में अधिक से अधिक धर्मप्रेमियों को जोड़ने के उद्देश्य से लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता केशव पार्क पहुंचे। उन्होंने यज्ञ सम्राट स्वामी हरिओम जी महाराज से महायज्ञ की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की और देशभर के सभी सनातन प्रेमियों, धर्म प्रेमियों से आह्वान किया कि वे सभी धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में आयोजित होने जा रहे 1008 कुण्डीय जनकल्याण शिव शक्ति महायज्ञ का अवश्य हिस्सा बने। गौरतलब है कि विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता इस महा यज्ञ की समिति के संरक्षक भी हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञ सम्राट श्री हरिओम जी महाराज देशभर के 24 राज्यों में अब तक 101 महायज्ञ कर चुके हैं, इनका संकल्प भारतवर्ष 108 महायज्ञ करने का है। कुरुक्षेत्र में आयोजित महायज्ञ 102वाँ महायज्ञ होगा जिसको लेकर देश भर के धर्मप्रेमियों में भारी उत्साह है। इस महायज्ञ में संपूर्ण भारतवर्ष से संत महात्मा, ऋषि, महंत, ब्राह्मण, सनातनी भक्तजन शामिल होंगे। इस महायज्ञ से पूरे विश्व में सनातन और शांति का संदेश जाएगा। इस मौके पर नगरपरिषद की निवर्तमान अध्यक्षा उमा सुधा, मुकेश वशिष्ठ, हरीश शर्मा, सुनील भारद्वाज, तुषार सैनी, दीपक चौहान, राजेश मुदगिल, राहुल राणा एडवोकेट लुखी, विक्रम कोका, अभिषेक जींद, नरेश बिशनगढ़, रघुबीर बिशनगढ़ व अनेक सनातन प्रेमी भी मौजूद रहे।

गौ माता केवल एक प्राणी नहीं, बल्कि सृष्टि की पालक हैं - स्वामी राजेंद्रानंद महाराज

सिरसा। श्री धेनू मानस कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास परम पूज्य गौ ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के दिव्य वचनों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनकी ओजस्वी वाणी और गौ महिमा का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक विश्लेषण सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कथा स्थल पर उमड़े जनसैलाब ने सिद्ध कर दिया कि समाज में गौ माता के प्रति आस्था और सेवा का भाव निरंतर प्रबल हो रहा है। गौ ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि गौ माता केवल एक प्राणी नहीं, बल्कि सृष्टि की पालक हैं। उनके संरक्षण में ही मानवता की समृद्धि संभव है। जो व्यक्ति गौ सेवा करता है, उसे समस्त देवताओं की कृपा स्वत- प्राप्त होती है। उन्होंने श्रीमद्भागवत, वेदों और अन्य धर्म ग्रंथों के संदर्भों के माध्यम से बताया कि गौ माता के प्रत्येक अंग में दिव्यता समाहित है। गौ दुग्ध

गौमूत्र और पंचगव्य केवल आयुर्वेदिक औषधि ही नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शुद्धि के प्रमुख स्त्रोत भी हैं। स्वामी जी ने बताया कि प्राचीन भारत में राजाओं और महापुरुषों ने अपनी गौ भक्ति के बल पर यश और कीर्ति अर्जित की। भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन गौ सेवा और संरक्षण का ही संदेश देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे गौशालाओं की रक्षा करें और अपने जीवन में गौ सेवा को स्थान दें।इस पावन कथा में परम पूज्य संत परमात्मानंद महाराज का आगमन भी भक्तों के लिए वरदान स्वरूप रहा। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि गौ माता की सेवा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का माध्यम है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि वे गौ माता की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और उन्हें सनातन संस्कृति की मूल आत्मा के रूप में सम्मान दें।

गौ रक्षा का संकल्प और भक्ति भाव का अद्भुत संगम-

कथा के अंत में गौ ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज ने समस्त श्रद्धालुओं को गौ रक्षा का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि आज के युग में गौमाता की रक्षा केवल धर्म का नहीं, बल्कि मानवता का परम कर्तव्य बन चुका है। उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में गौ सेवा को अपनाएं और अधिक से अधिक गौशालाओं के उत्थान में सहयोग दें।

कथा का सीधा प्रसारण श्री हरि टीवी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जिससे दूरस्थ भक्तजन भी इस दिव्य कथा का लाभ ले सकते हैं। भक्ति भाव के इस दिव्य प्रवाह के पश्चात संगीतमय भजन संध्या और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु आनंद और भक्ति रस में सराबोर हो गए। आगामी दिवस की कथा में स्वामी राजेंद्रानंद महाराज गौशालाओं के महत्व, भारतीय संस्कृति में गौ आधारित जीवनशैली और गौ सेवा से प्राप्त आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक लाभों पर गहन प्रकाश डालेंगे।

सीडीएलयू की टीम का स्पंदन 2025 प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्रॉफी जीत कर आने पर विश्वविद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय,सिरसा की टीम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय इंटर यूनिवर्सिटी स्टेट लेवल स्पंदन 2025 प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्रॉफी जीत कर आने पर विश्वविद्यालय में भव्य स्वागत हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।उन्होंने कहा कि सीडीएलयू का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है और इसका श्रेय यहाँ के विद्यार्थियों को जाता है जो विभिन्न गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते रहे है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजेश कुमार बंसल, शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुरेश गहलावत, कुलपति के टेक्निकल एडवाइजर प्रोफेसर असीम मिगलानी सहित प्राध्यापकों व गैर शिक्षक अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी युवा कल्याण निदेशक व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।इस संबंध में जानकारी देते हुए युवा कल्याण निदेशक डॉ मंजू नेहरा ने बताया कि लगातार दूसरी बार सीडीएलयू स्पंदन कार्यक्रम में विजेता रही है।

उन्होंने कहा कि 9 व 10 मार्च को आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में लाइट वोकल इंडियन सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल नोंन पर्कुशन, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल पर्कुशन, वेस्टर्न वोकल सोलो,वेस्टर्न ग्रुप सोंग,ऑर्केस्ट्रा, कॉलेज,पोस्टर मेकिंग,फोल्क डांस,ग्रुप सोंग,कार्टूनिंग,एलोकुशन,हिंदी पोयट्री,गज़ल,लाइट म्यूज़िक वोकल,इंडियन ग्रुप सांग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त मिमिक्री,डिबेट में दूसरा स्थान व माइम,मेहंदी, वन एक्ट प्ले,पेंटिंग,क्ले मॉडलिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। ओवरआल म्यूजिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

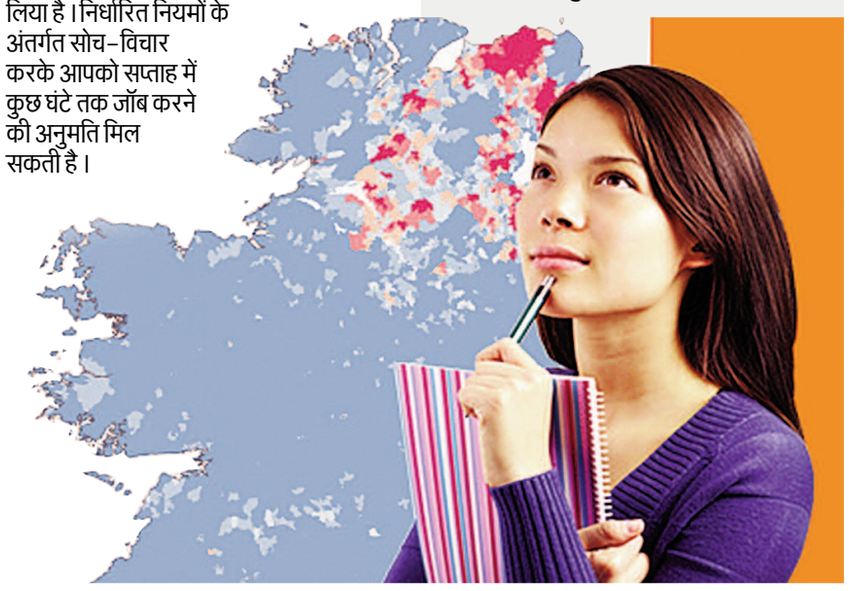

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रैश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

मार्च के अंत तक जन नायकन की शूटिंग पूरी कर लेंगे विजय

साउथ सुपरसर विजय फिलहाल एच. विनोत द्वारा निर्देशित अपनी आखिरी फिल्म जन नायकन के शेड्यूल को पूरा कर रहे हैं। अभिनेता ने पुष्टि की है कि राजनीति में सक्रिय रूप से प्रवेश करने से पहले यह फिल्म इंडस्ट्री में उनका आखिरी प्रोजेक्ट होगा। अब, इस फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। खबर है कि विजय जल्द ही आगामी फिल्म पर काम पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

कब तक शूटिंग पूरी करेंगे विजय

रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय से मार्च के अंत और अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह के बीच किसी समय जन नायकन के लिए अपने हिस्से का काम पूरा करने की उम्मीद है। इसके ठीक बाद वह अपने राजनीतिक जीवन में पूरी तरह से बदलाव करेंगे और तमिलनाडु में सक्रिय रूप से प्रचार करना शुरू कर देंगे।

कब आएगा फिल्म का टीजर

इस बीच फिल्म का टीजर विजय के जन्मदिन 22 जून 2025 के अवसर पर जारी होने की उम्मीद है। साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी जारी हो सकता है। हालांकि, इस मामले पर निर्माताओं या अभिनेता की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार एच विनोत द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं या फिल्म के अंदर किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है कि क्या फिल्म में अभिनेता एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में होंगे।

पूजा और विजय की दूसरी फिल्म

अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा संगीतबद्ध की जा रही इस फिल्म में हाल ही में एक डांस सीक्वेंस की भी शूटिंग की गई है। यह फिल्म कत्थी, मास्टर, बीस्ट और लियो जैसी फिल्मों के बाद विजय के साथ अनिरुद्ध की पांचवीं फिल्म होगी। जन नायकन के एक एक्शन-थ्रिलर होने की खबर है, जिसमें कुछ राजनीतिक एंगल भी शामिल होंगे। वहीं, विजय के साथ यह पूजा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले ये दोनों कलाकार नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित 2022 की फिल्म बीस्ट में मुख्य भूमिका में साथ नजर आए थे।

फिल्म के कलाकार

कुछ समय पहले फिल्म के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर एक पोस्टर के साथ इसका अनावरण किया था, जिसमें एक हाथ में जलती हुई मशाल थी। इसके अलावा, निर्माताओं ने फिल्म के मुख्य कलाकारों का भी खुलासा किया था, जिसमें बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, प्रियामणि, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और नारायण प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

संघर्ष के दिनों में भेदभाव की शिकार हुई थीं तेजस्वी

तेजस्वी प्रकाश ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दौर के संघर्षों को याद किया और बताया कि कैसे वह भेदभाव की शिकार हुईं। तेजस्वी ने दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम करते समय अलग तरह से व्यवहार किए जाने की बात को याद किया हालांकि, अपने दूसरे शो के बाद उन्हें अपनी कीमत का एहसास हुआ और उन्होंने खुद को कमतर समझने से इनकार कर दिया।

तेजस्वी ने कहा- शुरू में जब मैं वरिष्ठ अभिनेताओं के साथ काम करती थी, जो मुझसे ज्यादा जाने जाते थे। मेरे साथ बहुत अलग व्यवहार किया जाता था। उन्हें बेहतर कमरे, बेहतर वैनिटी वैन और खाने के लिए बेहतर भोजन भी दिया जाता था। अपने करियर के शुरुआती दौर में मुझे इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। मेरे दूसरे शो (संस्कार-धरोहर अपनों की) के अंत तक मुझे अपनी कीमत का एहसास हो गया और मैंने इस व्यवहार को सहने से इनकार कर दिया। मुझे एहसास हुआ कि मुझे अच्छा भुगतान नहीं किया जा रहा था और फिर मैंने और अधिक मांगा। मुझे एहसास हुआ कि लोग मुझे अधिक देखना चाहते हैं। फिर मुझे कम पैसे क्यों मिलने चाहिए।

अजय देवगन की एआई आधारित मीडिया कंपनी शुरू, फिल्म मेकिंग प्रोसेस में आएगी तेजी

अभिनेता अजय देवगन भारतीय सिनेमा के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं और इसी के तहत अब वे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) संचालित मीडिया में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एआई-आधारित मीडिया कंपनी शुरू की है। अभिनेता ने प्रिज्मिक्स की घोषणा की है, जो एक एआई-संचालित मीडिया कंपनी है। यह कंटेंट मेकिंग में विशेषज्ञता रखती है। फिल्म निर्माताओं, ब्रांड्स और रचनाकारों को अत्याधुनिक एआई तकनीक के साथ हाई क्वालिटी, स्केलेबल और आकर्षक कहानियां तैयार करने में मदद करेगी। देवगन प्रिज्मिक्स के अध्यक्ष हैं, जो एक टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें दानिश देवगन (सह-संस्थापक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी), वत्सल सेठ (सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और साहिल नायर (सह-संस्थापक और मुख्य रचनात्मक अधिकारी) के नाम शामिल हैं।

टीम का उद्देश्य साथ मिलकर कहानी कहने की कला को फिर से परिभाषित करना है, क्रिएटिविटी को उन्नत एआई तकनीक के साथ मिलाकर शानदार मीडिया कंटेंट में बदलने से संबंधित है। इस बारे में अजय देवगन ने कहा, प्रिज्मिक्स के साथ, हम कहानी कहने के भविष्य में कदम रख रहे हैं। एआई केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि एक रचनात्मक भागीदार है, जो फिल्म निर्माताओं और ब्रांड्स को उनके विजन को ऐसे तरीके से जीवंत करने में मदद कर सकता है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। हमारा लक्ष्य हाई क्वालिटी आधारित एआई कंटेंट को अधिक सुलभ और स्केलेबल बनाकर मीडिया में क्रांति लाना है।

मैंने बड़ा बनने के लिए अपने नैतिक मूल्यों से कभी नहीं किया समझौता

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने एक्टिंग की दुनिया में अपने सफर के बारे में बात की। कृतिका ने बताया कि उन्होंने कभी भी बड़ा बनने के लिए अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया। कृतिका ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि खुद के प्रति ईमानदार रहना सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा, मैंने बड़ा बनने के लिए कभी भी अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया। मेरे लिए, मेरा सफर हमेशा अपने द्वारा चुने गए विकल्पों पर गर्व करने के बारे में रहा है।

उन्होंने कहा, यह सिर्फ मशहूर या स्पॉटलाइट में रहने का सवाल नहीं है, बल्कि यह रात में सुकून सो पाने के लिए था। चाहे इंडस्ट्री कितनी भी चुनौतीपूर्ण या ग्लैमरस क्यों न हो मैंने अपने मूल्यों के साथ समझौता नहीं किया और इस वजह से ही मैं अपनी जड़ से जुड़ी रही। कृतिका ने स्पष्ट किया है कि वह आकर्षण की तुलना में कंटेंट को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा, मैं ट्रेंड का पीछा नहीं करना चाहती और न ही इंडस्ट्री के दबावों के अनुरूप होना चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा काम मेरे विश्वास, मेरे टेस्ट और मेरी ग्रोथ को दर्शाए। मैं जो भूमिकाएं चुनती हूं, वे मेरे व्यक्तित्व का विस्तार हैं। मेरे लिए, यह ऐसी कहानियां बताने के बारे में है, जो लोगों के साथ जुड़ती हैं और एक स्थायी छाप छोड़ती हैं।

कृतिका मटका किंग में नजर आएंगी। यह मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की दुनिया को दर्शाती है। इस सीरीज में विजय वर्मा भी हैं, जो मटका किंग की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कृतिका ने जनवरी में साझा किया था कि वह साहसिक निर्णय लेने में विश्वास करती हैं और उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोजेक्ट से दूरी बना ली है जो पुरुषों की नजर को प्राथमिकता देते हैं।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में होने चाहिए ये बदलाव; महिला दिवस पर क्रिस्टल डिसूजा ने की मांग

क्रिस्टल डिसूजा बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा चाही जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने अपनी मेहनत से बहुत ज्यादा फैंस बनाए हैं। वह फितरत सीरीज में बेहतरीन काम के लिए जानी जाती हैं। आज क्रिस्टल डिसूजा महिला दिवस मना रही हैं। ऐसे में उन्होंने औरतों के लिए एक बहुत अच्छा पैगाम दिया है।

सभी को एक दूसरे का समर्थन करना चाहिए

औरतों के बारे में बात करते हुए क्रिस्टल डिसूजा ने उनकी ताकत के बारे में बात की और कहा हम ताकतवर हैं। हम जो सोच लें उसे पाने के काबिल हैं। चलों एक दूसरे का समर्थन करना शुरू करते हैं और उनको वो मकाम देते हैं जो उनके लायक हैं। हमारी आवाज माइने रखती है। हमारे सपने अच्छे हैं। दुनिया को हमारी ताकत की जरूरत है।

यादगार थी क्रिस्टल की होली

होली के मौके पर बीकानेर में अपनी सहेलियों के साथ मनाए गए यादगार महिला दिवस को याद करते हुए क्रिस्टल ने कहा, 8 मार्च 2023 में पड़ने वाला महिला दिवस बहुत खास था क्योंकि यह होली के दिन पड़ा था। हम अपनी सहेलियों के साथ बीकानेर गए थे, जहां हमने होली और महिला दिवस दोनों को एक साथ मनाया था। वाकई ये मेरे लिए बहुत अच्छा महिला दिवस था। यह प्यार, खुशी और रंगों से भरा हुआ था।

इंडस्ट्री में औरतों के लिए चीजे बेहतर हुई हैं

क्रिटल डिसूजा ने बताया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री औरतों के लिए आसान नहीं थी। लेकिन अब चीजें बहुत बदल गई हैं। कई महिला काफी समय से शोबिज में काम कर रही हैं। पिछले कुछ सालों में चीजें बेहतर हुई हैं और अब ज्यादा महिलाएं इस इंडस्ट्री में ऊंचे पदों पर हैं। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में महिलाओं की तरक्की हुई है। कई औरतें अब कार्यकारी पदों पर हैं, कार्यस्थल पर भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इंडस्ट्री में होने चाहिए बदलाव क्रिटल के मुताबिक महिलाओं को कमांडिंग पदों पर रखना ही काफी नहीं है। महिलाओं के लिए माहौल को सुरक्षित और आरामदायक बनाने की जरूरत है। इंडस्ट्री में महिलाओं का समर्थन करने वाली और नीतियां बननी चाहिए। कार्यस्थल पर भेदभाव के खिलाफ मजबूत सुरक्षा मिलनी चाहिए।

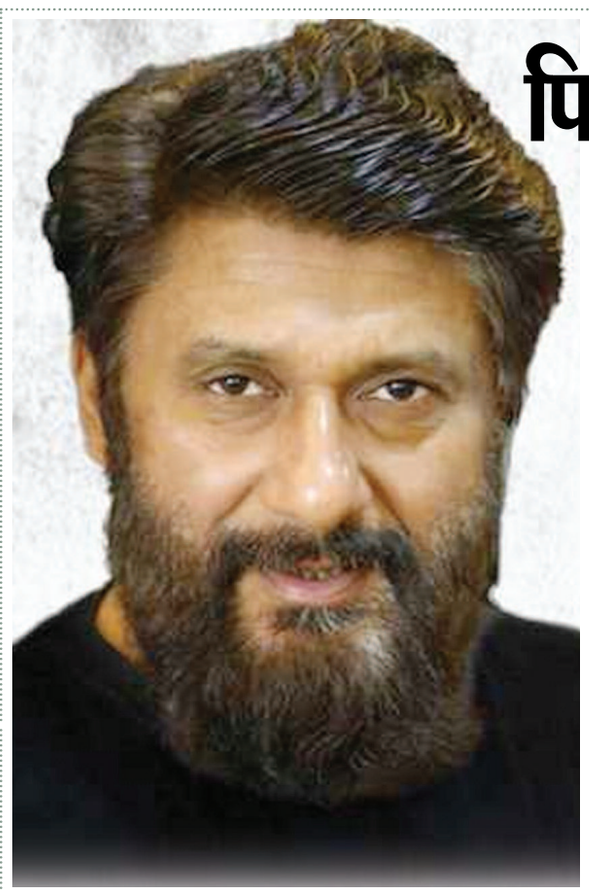

फिल्मों की री-रिलीज पर विवेक अग्निहोत्री का तंज

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर एक लंबा नोट लिखा है। उनका कहना है कि बॉलीवुड संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। इसका पतन हो रहा है और यह खस्ताहाल स्थिति में है। निर्देशक ने हाल के दिनों में पुरानी फिल्मों को दोबारा रिलीज किए जाने के चलन पर भी प्रतिक्रिया दी।

बॉलीवुड का पतन हो रहा है

विवेक अग्निहोत्री ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बॉलीवुड गिर रहा है और यह सबसे अच्छी बात है जो हो सकती है। बॉलीवुड खस्ताहाल में है और यह इंडस्ट्री के लिए अच्छा है। नई इमारत खड़ी करने के लिए आपको पुरानी इमारत को गिराना होगा। यही वह समय है। आगे लिखा है, आज बॉलीवुड में शायद ही कोई स्वतंत्र निर्माता है। यहां अब कोई नया निर्माता नहीं है। नए आइडिया नहीं हैं। कोई इनोवेटिव डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग रणनीति नहीं है। विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा है, कुछ साल पहले बॉलीवुड में एक दर्जन स्टूडियो थे। अब केवल दो या तीन बचे हैं और वे भी एकाधिकारवादी हैं। और वे फिल्म निर्माण के अलावा अन्य कारणों से यहां हैं। सिनेमा के प्रति जुनून की जगह कॉर्पोरेट लालच और एजेंडा वाले कंटेंट ने ले ली है। फिल्में नहीं हैं। फिल्मों का मानो अकाल पड़ गया है, इसीलिए पुरानी फिल्मों को रिलीज करने की होड़ मची हुई है।

अच्छे निर्देशकों ने हार मान ली है

विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा है, अधिकांश निर्देशक जो इस कठिन समय में कुछ बदलाव ला सकते थे, उन्होंने हार मान ली है और ओटीटी के आगे घुटने टेक दिए हैं। फिल्म बिजनेस को चलाते रहने के लिए स्टार-अभिनेता जरूरी हैं। लेकिन कोई भी होनहार नया सितारा नहीं है। यदि आप 21-35 आयु वर्ग के किसी कलाकार को कास्ट करना चाहते हैं, तो आपको करीब-करीब शायद कोई मिले ही न। न तो हीरो और न ही हीरोइन। जो कुछ हैं वे हिंदी नहीं बोल सकते। इमोशंस नहीं दिखा पाते। अपने काम से ज्यादा इंस्टाग्राम में दिलचस्पी है। विवेक अग्निहोत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अपनी फिल्म द दिल्ली फाइल्स- द बंगाल चैप्टर की तैयारी में व्यस्त हैं।

मैं आभारी हूं कि मुझे जॉन अब्राहम के साथ अभिनय करने का मौका मिला...

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ विधात्री बंदी भी नजर आएंगी। उन्होंने इस बारे में कहा... यह संघर्ष का एक वर्ष रहा है। जलसा और मैक्स, मिन और मेवजाकी के बाद यह अवसर न केवल मेरे लिए बल्कि संघर्ष करने वाले हर कलाकार के लिए बहुत मायने रखता है। यह जर्नी आपको बहुत कुछ सिखाती है और मैं वास्तव में आभारी हूं कि आखिरकार मुझे जॉन अब्राहम के साथ अभिनय करने का मौका मिला। यह एक अविश्वसनीय अनुभव था। हम पहली बार स्क्रीन शेयर कर रहे थे और यह वास्तव में यादगार था। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में हमें साथ मिलकर काम करने के और मौके मिलेंगे। द डिप्लोमैट 14 मार्च को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी। यह एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण जॉन अब्राहम, भूषण कुमार, समीर दीक्षित, अश्विन, राजेश बहल, विपुल शाह और कृष्णन कुमार मिलकर कर रहे हैं। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जो नाम शबाना और मुखबिर जैसी फिल्म और वेब सीरीज बना चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।